ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 314 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल 20 मई 2026 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

44.2 अधिकतम

29.6 न्यूनतम

Page- 7

ट्रम्प की दादागिरी और 'अमेरिका फर्स्ट' का बदलता चेहरा...

डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद दुनिया एक बार फिर उस दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है, जहां कूटनीति की जगह दबाव, साझेदारी की जगह धमकी और वैश्विक संतुलन की जगह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा हावी होती जा रही है। ट्रम्प की कार्यशैली अब केवल अमेरिका के विरोधियों के लिए ही नहीं, बल्कि उसके पारंपरिक मित्र देशों और स्वयं अमेरिकी नागरिकों के लिए भी चिंता का विषय बनती जा रही है। जिस अमेरिका फर्स्ट के नारे के साथ उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा को नई पहचान दी थी, आज वही नारा फैमिली फर्स्ट और अमेरिकन्स लास्ट में बदलता दिखाई दे रहा है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

ट्रम्प की राजनीति शुरू से ही आक्रामक राष्ट्रवाद और व्यक्तिगत छवि पर आधारित रही है। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं, संयुक्त राष्ट्र, नाटो और यहां तक कि यूरोपीय सहयोगियों तक को कठघरे में खड़ा किया। लेकिन दूसरी पारी में उनका रवैया और अधिक असंतुलित तथा प्रतिशोधात्मक दिखाई दे रहा है। वे हर उस देश और नेता को निशाने पर लेने लगे हैं, जो अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने की क्षमता रखता है। यही वजह है कि कभी भारत और प्रधानमंत्री रनरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा कर दोस्ती का प्रदर्शन करने वाले ट्रम्प आज भारत को भी संदेह की नजर से देखने लगे हैं।

दरअसल, ट्रम्प की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनके लिए स्थायी मित्रता जैसी कोई चीज नहीं है। उनके लिए केवल हित महत्वपूर्ण हैं और जब उन्हें लगता है कि कोई देश अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे सकता है, तो उनका रवैया तुरंत बदल जाता है। ब्रिक्स देशों का बढ़ता प्रभाव इसी बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। आगामी सितंबर में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में व्लादिमिर पुतिन और शी जिनपिंग की संभावित मौजूदगी अमेरिका के लिए स्पष्ट संदेश होगी कि दुनिया अब केवल वॉशिंगटन के इर्द-गिर्द नहीं घूम रही। ब्रिक्स अब केवल आर्थिक मंच नहीं रह गया है। यह धीरे-धीरे उस वैकल्पिक वैश्विक व्यवस्था का प्रतीक बनता जा रहा है, जो डॉलर आधारित अमेरिकी आर्थिक दबदबे को चुनौती देने की क्षमता रखती है। चीन और रूस पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों और दबाव की राजनीति के खिलाफ लामबंद हैं, जबकि भारत संतुलित रणनीति अपनाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दे रहा है। यही संतुलन ट्रम्प को सबसे अधिक परेशान करता है, क्योंकि वे दुनिया को दो स्पष्ट खेमों में बांटकर देखना चाहते हैं। लेकिन ट्रम्प की चुनौती केवल वैश्विक स्तर तक सीमित नहीं है। अमेरिका के भीतर भी उनकी लोकप्रियता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमेरिकी समाज का एक बड़ा वर्ग अब यह महसूस करने लगा है कि ट्रम्प की नीतियां राष्ट्रीय हितों से अधिक व्यक्तिगत और पारिवारिक हितों से प्रेरित हैं। यही कारण है कि दक्षिणपंथी विचारधारा को संस्थागत रूप देने के उद्देश्य से बनाई गई संस्था अमेरिका फर्स्ट पालिसी इंस्टिट्यूट के मूल सपने भी कमजोर पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

व्यक्तिगत राजनीतिक ब्रांडिंग

अमेरिका में दक्षिणपंथी राजनीति की जड़ें अभी भी मजबूत हैं, लेकिन ट्रम्प का व्यक्तिवाद उस वैचारिक आंदोलन पर भारी पड़ने लगा है। उन्होंने अमेरिका फर्स्ट को एक वैचारिक आंदोलन से ज्यादा अपनी व्यक्तिगत राजनीतिक ब्रांडिंग में बदल दिया है। परिणाम यह हुआ कि अमेरिकी जनता के सामने महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और अंतरराष्ट्रीय अलगाव जैसे सवाल और गंभीर होते जा रहे हैं। इतिहास बताता है कि कोई भी महाशक्ति केवल सैन्य ताकत या आर्थिक दबाव से लंबे समय तक दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकती। उसे नैतिक विश्वसनीयता, स्थिरता और भरोसेमंद नेतृत्व की भी जरूरत होती है। ट्रम्प की राजनीति फिलहाल इन तीनों कसौटियों पर कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है। यदि उन्होंने समय रहते अपनी रणनीति और प्राथमिकताओं में बदलाव नहीं किया, तो संभव है कि अमेरिका फर्स्ट का उनका सपना इतिहास में उस नारे के रूप में दर्ज हो, जिसने अंततः अमेरिकियों को ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया।

ट्विशा को चाहिए न्याय... निष्पक्ष जांच के लिए भटक रहे परिजनों की उम्मीदें कोर्ट के आदेश पर टिकीं

दोबारा पोस्टमॉर्टम की सुनवाई के बीच पुलिस का फरमान.. शव ले जाए परिवार

परिजनों का आरोप... ट्विशा की हत्या हुई, पूर्व जज के प्रभाव में है पूरा सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एक तरफ ट्विशा का दोबारा पोस्टमार्टम कराने के लिए उसका परिवार कोर्ट में सुनवाई का इंतज़ार कर रहा था, उसी समय उन्हें कटारा हिल्स थाने की ओर से एक पत्र थमा दिया गया जिसमें कहा गया था कि पुलिस ट्विशा की बॉडी को डिकम्पोज होने से बचाने की स्थिति में नहीं है इसलिए परिवार तुरंत बॉडी ले ले। पत्र में लिखा है कि भोपाल एम्स में ऐसे डीप फ्रीजर का इंतजाम नहीं है जिसमें शव को ज्यादा समय तक सुरक्षित रखा जा सके। पुलिस के इस कदम को भी परिवार के ऊपर दबाव बनाने की रणनीति की तहत ही देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कटारा पुलिस एफआईआर दर्ज करने से पहले ही परिवार से कह रही थी कि वह शव लेकर उसका अंतिम संस्कार कर दे। मुकदमा जांच के बाद दर्ज किया जाएगा। अब जबकि परिवार निष्पक्ष जांच की लिए दोबारा पोस्टमार्टम की मांग कर रहा है, फिर उन्हें शव लेने को कहा जा रहा है।

मॉडल और ऐक्ट्रेस रही ट्विशा शर्मा की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पिछले नौ दिनों से भटक रहे उसके परिजनों की उम्मीदें कोर्ट के आदेश पर टिकी हैं। उन्होंने दोबारा पोस्टमार्टम कराने की याचिका दायर की है जिस पर सुनवाई का इंतज़ार चल रहा है। दोपहर डेढ़ बजे तक कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई थी। परिजनों ने ट्विशा की सास पूर्व जस्टिस गिरिबाला सिंह और उसके वकील पति समर्थ सिंह पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने पहले पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को मानने से इंकार कर दिया था। उनका कहना है कि जिन डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम किया वह गिरिबाला सिंह के प्रभाव में थे। पूरे घटनाक्रम की जांच भी सीबीआई से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में करने की मांग की जा रही है।

ट्विशा के परिजन शुरुआत से ही उसकी हत्या की आशंका जता रहे हैं। ट्विशा की बहन नैना शर्मा ने आरोप लगाया कि जानबूझकर सीसीटीवी कैमरे के सामने ट्विशा को सीपीआर देने का नाटक किया गया। वह छत पर जाते समय बिल्कुल नॉर्मल थी। नैना का कहना है कि समर्थ और उसकी मां शव को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। मौत की पुष्टि होने के बाद दोनों करीब एक घंटे तक गायब रहे। इसके बाद दोनों घर पहुंचे। वहां सबूतों से छेड़छाड़ की। रसूख के चलते आरोपियों पर अब तक कार्रवाई नहीं हो रही है। आरोपी को भागने का मौका दिया जा रहा है। एक तरफ हमारी बहन की मौत हो गई और दूसरी तरफ परिवार लगातार न्याय के लिए भटक रहा है। उन्हें लगातार एक थाने से दूसरे अधिकारी के पास भेजा जा रहा है। कार्रवाई करने के बजाय उन्हें ही परेशान किया जा रहा है।

बेल्ट नहीं मिलने से अधूरी जांच

मामले में पुलिस जांच पर सवाल उठ रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार जिस बेल्ट से फांसी लगाने की बात कही गई थी, उसे जांच अधिकारी पोस्टमॉर्टम के समय एम्स भोपाल नहीं ले गए थे। बाद में बेल्ट जांच के लिए सौंपी गई, लेकिन डॉक्टर कथित फांसी के साधन और गर्दन के निशानों का वैज्ञानिक परीक्षण नहीं कर सके। परिजन का कहना है कि बेल्ट उपलब्ध नहीं होने से डॉक्टर यह तय नहीं कर सके कि फांसी किस चीज से लगाई गई थी। गर्दन के मार्क्स का सही मिलान और माप भी नहीं हो पाया।

ट्रेंड कर रहा जस्टिस फॉर ट्विशा

ट्विशा शर्मा की मौत के बाद सोशल मीडिया पर #JusticeForTwisha तेजी से ट्रेंड कर रहा है। लोग इंस्टाग्राम, एक्स और व्हॉट्सएप पर ट्विशा से जुड़े पोस्ट शेयर कर रहे हैं। ट्विशा की फैमली इंस्टग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर न्याय की मांग कर रही है। इसके बाद कई बड़े क्रिएटर्स भी इस अभियान से जुड़ गए हैं। अब तक 6 हजार से ज्यादा लोग एक्स पर और इंस्टाग्राम पर 4 हजार से ज्यादा लोग #JusticeForTwisha लिख चुके हैं।

कोलकाता-मुंबई, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

चार दिन के दौरे पर भारत आ रहे है अमेरिकी विदेश मंत्री

नईदिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो 23 से 26 मई तक भारत की चार दिवसीय यात्रा करेंगे। इसका उद्देश्य व्यापार, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देना है। यह रूबियो की पहली भारत यात्रा होगी। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगोट ने कहा, 'विदेश मंत्री रूबियो 23 से 26 मई तक भारत की यात्रा पर रहेंगे, जहां वह कोलकाता, आगरा, जयपुर और नई दिल्ली जाएंगे।' पिगोट ने बताया कि विदेश मंत्री वहां वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के साथ बैठकों के दौरान ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार और रक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे।

देहरादून के अस्पताल में लगी भीषण आग, एक की मौत

देहरादून। देहरादून के पैनेसिया हॉस्पिटल में अचानक आग लग गई। जिससे मौके पर अफरातफरी का माहौल है। बताया जा रहा है कि एसी में ब्लास्ट होने के कारण अस्पताल में आग लग गई। हादसे में एक 55 वर्षीय मरीज की मौत हो गई है। कई मरीजों को दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किए जाने की भी खबर है। वहीं कैलाश अस्पताल में लाए गए छह मरीजों में से दो की हालत भी नाजुक बनी हुई है। पैनेसिया अस्पताल में आज आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कुछ लोगों के झुलसने की सूचना है।

आज का कार्टून

ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

राष्ट्रपति ट्रम्प बोले- युद्ध जल्द खत्म होगा

वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा।

व्हाइट हाउस में सांसदों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, हम इस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म करने जा रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। वे इससे थक चुके हैं। उन्होंने दोहराया कि अमेरिकी सेना दुनिया में सबसे महान है। हमने ईरानी नौसेना को खत्म कर दिया है और उनकी वायुसेना तबाह हो चुकी है। उनके एंटी-एयरक्राफ्ट खत्म हो चुके हैं।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान दे रहा है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ युद्ध रोकने से जुड़ा वॉर पावर रेजोल्यूशन आगे बढ़ाया गया है। रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट ने मंगलवार को उस प्रस्ताव पर आगे बढ़ने के पक्ष में वोट किया, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस की स्पष्ट मंजूरी के बिना राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ युद्ध जारी नहीं रख सकते।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

प्रदेश में चार दिन हीटवेव का अलर्ट नौगांव में पारा 47 डिग्री पार पहुंचा

भोपाल. दोपहर मेट्रो

भोपाल	44.2°
खजुराहो	46.4°
सागर	45.2°
रीवा	45.0°

प्रदेश में सूरज जैसे आग उगल रहा है। दिन में भीषण गर्मी पड़ रही है तो लू के थपेड़ों का सितम भी है। छतरपुर के 2 शहर- खजुराहो और नौगांव सबसे गर्म रहे। नौगांव में तापमान रिकॉर्ड 47 डिग्री और खजुराहो में 46.4 डिग्री रहा। सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 47 डिग्री पर पहुंचा।मौसम केंद्र ने अगले 4 दिन हीटवेव यानी, लू की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के 22 शहरों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार रहा। नौगांव और खजुराहो के बाद तीसरा सबसे गर्म शहर दतिया रहा। यहां तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। इधर प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में सीजन में पहली बार तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। एयरपोर्ट ऑब्जर्वेटरी में दिन का तापमान 44.2 डिग्री रहा।

1 से 15 जून तक होंगे तबादले, कैबिनेट ने दी मंजूरी

भोपाल. दोपहर मेट्रो

डॉ. मोहन यादव कैबिनेट की बैठक में राज्य सरकार की तबादला नीति-2026 को मंजूरी मिल गई है। प्रदेश में राज्य और जिला स्तर पर कर्मचारियों और अधिकारियों के 1 जून से 15 जून तक तबादले किए जाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने ड्राफ्ट तैयार कर मुख्यमंत्री सचिवालय भेजा था। सीएम और मंत्रियों की सहमति के बाद नीति को अंतिम रूप दिया गया। कैबिनेट ने तय किया है कि पति-पत्नी की पदस्थापना एक स्थान पर रखने के मामलों में कार्यवाही की जाएगी। गंभीर बीमारी से ग्रस्त कर्मचारियों को भी स्थानांतरण में रियायत दी जाएगी। नोटशीट में ए प्लस कैटेगरी वाले मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली 27वीं बैठक वर्ष-2027 में उज्जैन में होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह इस बैठक के बाद सिंहस्थ-2028 की तैयारियों और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि जिस बस्तर क्षेत्र को कभी नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री ने मध्य क्षेत्रीय परिषद् की बैठक कर देश को नक्सलवाद की समाप्ति का संदेश दिया है।

सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर भूस्खलन, रातभर चला रेस्क्यू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा के दौरान बीती रात्रि हुई तेज बारिश के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग पर तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा मार्ग अवरुद्ध हो गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस एवं अन्य राहत टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से घटनास्थल का जायजा लिया। लगातार स्थिति पर नजर बनाते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों से पल-पल की जानकारी लेते रहे।

मेट्रो एंकर | **मौजूदा योजना का गलत फायदा उठा रहे थे लोग, हो चुकी हैं कई गिरफ्तारियां**

थाईलैंड ने बदले वीजा फ्री एंट्री के नियम, ज्यादा दिनों की छूट खत्म

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड सरकार ने एक नई टियर वीजा प्रणाली शुरू करने का फैसला लिया है। थाईलैंड की कैबिनेट ने 93 देशों के पर्यटकों के लिए अपनी वीजा फ्री एंट्री योजना में कटौती को मंजूरी दी है। इसके तहत थाईलैंड 60-दिन की वीजा छूट से पीछे हट गया है, जिसे जुलाई 2024 में महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए शुरू किया गया था। यह छूट उन क्षेत्रों के लिए थी, जिनमें अमेरिका, इजरायल, दक्षिण अमेरिका और यूरोप का 29-देशों वाला शेंगेन जोन शामिल है। थाईलैंड के नए फैसले का भारतीय टूरिस्ट पर भी सीधा असर होने जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत सरकार एक स्तरीय प्रणाली पर वापस लौटेगी, जिसमें वीजा-मुक्त प्रवास सीमा 30 दिन की जाएगी। कुछ देशों के नागरिकों के लिए अनुमति की अवधि घटाकर 15 दिन की जाएगी। थाईलैंड सरकार के प्रवक्ता रचादा धनादिरेक ने कहा, मौजूदा योजना का कई लोगों को गलत फायदा उठाया है। पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था का अहम स्तंभ है लेकिन सुरक्षा चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। थाई अधिकारियों ने स्वीकार किया कि 60 दिन की छूट ने अनजाने में कुछ कमियां पैदा कर दी थीं, जिससे अवैध ग्रे-मार्केट कारोबार, बिना अनुमति के काम करने वाले विदेशी मजदूरों और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई। ऐसे में सरकार ने अब 30-दिन की सीमा को वास्तविक और उच्च-मूल्य वाले यात्रियों के लिए पर्याप्त समय-सीमा माना है।

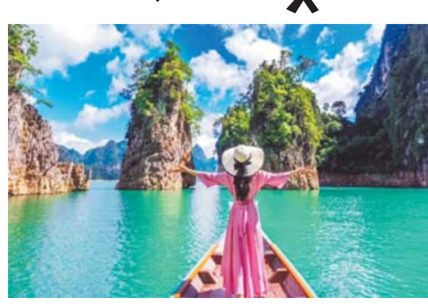

नीति में यह बदलाव कई हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियों के बाद आया है, जिनमें विदेशी नागरिक नशीले पदार्थ, मानव तस्करी और होटल जैसे बिना अनुमति के स्थानीय कारोबार चलाने में शामिल पाए गए।

भारत के टूरिस्ट्स पर होगा असर: थाई विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जमीनी सीमाओं के जरिए प्रति कैलेंडर वर्ष वीजा-मुक्त प्रवेश की संख्या पर सख्त सीमा लागू किया जाएगा। अब 30 दिन के स्तर के लिए केवल दो बार प्रवेश की अनुमति होगी, जो 2024 के विस्तार से पहले लागू नियमों जैसा है। हालांकि सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि ये बदलाव कब से लागू होंगे। भारत के जो टूरिस्ट थाईलैंड में लंबे समय तक रुकने का प्लान बना रहे हैं, वे बिना वीजा 30 दिनों से ज्यादा नहीं रुक पाएंगे। यह उन लोगों के लिए झटका है, जो पहले दो महीने का समय अलग-अलग द्वीपों पर घूमने में बिताते थे। थाईलैंड भारतीयों के लिए सबसे आसान और सबसे किफायती जगहों में से एक है।

पूरे प्रदेश के 41 हजार मेडिकल स्टोर्स बंद

दवा की ऑनलाइन बिक्री का विरोध, डिस्काउंट पर रोक की मांग भी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में आज करीब 41 हजार दवा दुकानें बंद हैं। अकेले भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स इस बंद में शामिल हैं। सिर्फ अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को ही खुला रखा गया है।

यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स की ओर से ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुलाया गया है। आईओएसीएडी को जनरल सेक्रेटरी राजीव सिंघल ने बताया कि प्रदेश के सभी रिटेल और थोक दवा व्यवसायियों ने इस बंद का समर्थन किया है। यह मुद्दा सीधे आम लोगों की सेहत से जुड़ा है। घर-घर पहुंच रही ऑनलाइन दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर अभी स्पष्ट सिस्टम नहीं है, जो गंभीर चिंता का विषय है। भोपाल में बंद के एक दिन पहले मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही।

अस्पतालों के स्टोर बंद से मुक्त

भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि ऑलाइन दवा व्यापार की आड़ में नकली, एक्सपायरी एवं गलत दवाओं के वितरण की संभावनाएं बढ़ रही हैं, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ सकती है। अस्पताल के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया है। ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जरूरतमंदों के लिए बनाई टास्क फोर्स

एसोसिएशन ने बताया कि उनका बंद सरकारी नीतियों के खिलाफ है, आम लोगों को परेशानी नहीं होने देंगे। किसी मरीज को इमरजेंसी में दवा की जरूरत हो तो उसके लिए जिला स्तर पर टास्क फोर्स तैयार की गई है। इसके लिए नंबर जारी किए गए हैं, लोग इन पर कॉल करके अपनी परेशानी बता सकते हैं। टास्कफोर्स व्यक्ति तक दवा पहुंचाएगी।

दवा दुकानदारों की यह है मांगें

बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम GSR 220 और GSR हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर गलत या नकली पर्चियों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं। लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20 फीसदी से 50 फीसदी तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते। बता दें कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स (ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स) को कई बड़ी रियायतें दी थीं।

परिवहन लागत बढ़ने से ट्रांसपोर्ट भाड़ा बढ़ा

पेट्रोल-डीजल ने लगाया महंगाई का तड़का कपड़ा, बर्तन, किराना, अनाज सब महंगा

पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण लगातार बढ़ रहे हैं कच्चे तेल के दाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम एशिया में युद्ध और तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमत लगातार बढ़ रही है। इसी कारण देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को दूसरी बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़े हैं। अब इसका असर महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। कपड़ा, बर्तन, किराना और अनाज सब महंगा होने लगा है। ट्रांसपोर्ट भाड़ा बढ़ने से महंगाई का भार आखिरकार आम नागरिकों पर ही पड़ता नजर आ रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम एक बार फिर से बढ़ा दिए गए। भोपाल में अब सरकारी कंपनियों का सामान्य पेट्रोल 110.75 रुपये एवं डीजल 95.91 रुपये प्रति लीटर हो गया है। रिलायंस, एस्सार एवं नायरा जैसी निजी कंपनियों के दाम से दो से तीन रुपये अधिक हैं। दाम बढ़ने के साथ ही ट्रांसपोर्टरों ने माल भाड़ा बढ़ा दिया है। फिलहाल करीब 10 प्रतिशत भाड़ा बढ़ा है। फ्यूल महंगा होने से केवल वाहन चलाना तो महंगा हुआ ही है इसका असर कपडा, बर्तन, परिवहन, सब्जियों, दूध, तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ने लगा है। आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

ट्रांसपोर्टर्स का कहना है कि डीजल का उपयोग सबसे अधिक माल ढुलाई में होता है। ट्रक, बस, कृषि उपकरण और मालवाहक वाहन डीजल से चलते हैं। ऐसे में डीजल महंगा होने पर परिवहन लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर बाजार में बिकने वाले सामान पर पड़ता है। फल, सब्जियां, अनाज, दूध और किराना सामान शहरों तक पहुंचाने का खर्च बढ़ने से इनके दाम भी बढ़ रहे हैं। मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर महसूस किया जा रहा है। जानकारों के अनुसार यदि ईंधन कीमतों में तेजी बनी रही तो आने वाले महीनों में महंगाई दर और बढ़ सकती है। इसका असर त्योहारों के बाजार और उपभोक्ता खर्च पर भी दिखाई देगा। लोगों को उम्मीद है कि सरकार टैक्स में राहत या अन्य उपायों के जरिए आम जनता को कुछ राहत देने की कोशिश करेगी। ऐसा नहीं हुआ तो लोग खर्च कम करेंगे।

राहत नहीं मिली तो कारोबार घटेगा

व्यापारियों का कहना है कि माल ढुलाई महंगी होने से छोटे कारोबारियों की लागत बढ़ गई है। कपड़ा, किराना, प्लास्टिक, निर्माण सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुओं के दाम धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं। कुछ दुकानदारों का मानना है कि यदि ईंधन कीमतों में जल्द राहत नहीं मिली तो बाजार में ग्राहकों की खरीद क्षमता कम होगी। कारोबार घटेगा क्योंकि रसोई का बजट लगातार बिगड़ रहा है। खाद्य तेल, दाल, सब्जी और दूध जैसी आवश्यक वस्तुएं पहले से महंगी हैं, ऐसे में पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम अतिरिक्त दबाव पैदा कर रहे हैं। वहीं युवाओं और नौकरीपेशा वर्ग में भी भविष्य को लेकर चिंता बढ़ रही है।

कपड़ा 10 प्रतिशत महंगा हुआ

कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बाद कपड़ा महंगा हुआ था। अब डीजल के दाम बढ़ने स भाड़ा बढ़ गया है इसका असर महंगाई के रूप में समाने आ रहा है। ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने के बाद हमें दाम बढ़ने पड़े हैं। फिलहाल कपड़ा 10 प्रतिशत तक महंगा हुआ है।

– **कन्हैया इसरानी**, अध्यक्ष थोक वस्त्र व्यवसाय संघ।

मालभाड़ा बढ़ाना मजबूरी..

डीजल के दाम बढ़ने से ट्रक मालिकों के पास मालभाड़ा बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। दूसरे खर्च भी बढ़ गए हैं। करीब 15 प्रतिशत भाड़ा बढ़ाया गया है। मजबूरी में हमें भी ट्रांसपोर्ट से आ रहे माल पर प्रति नग भाड़ा बढ़ाना पड़ा है। इसका असर आम आदमी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी।

– **अशोक हिमथानी**, ट्रांसपोर्टर।

खाद्य तेल 160 रुपए हो गया

पिछले कुछ दिन में ही किराने की कई वस्तुएं महंगी हो गई हैं। आगे और बढ़ोतरी की धारणा बनी हुई है। खाद्य तेल 160 रूपये प्रति किलो हो गया है। कंपनियों ने छोटे पाऊच का वजन एक लीटर से घटाकर 750 मिली लीटर कर दिया है। शक्कर एवं चावल भी महंगा हो गया है। ईरान-अमेरिका युद्ध और लंबा खींचा तो महंगाई के और बढ़ने के आसार है। जिसका सीधा असर लोगों के घर के बजट पर पड़ने वाला है।

–**सतीश जैन**, उपाध्यक्ष किराना व्यापारी संघ।

जेपी हॉस्पिटल परिसर में रातभर धरने पर डटीं एएनएम

कोर्ट से जीत के बाद भी जॉइनिंग नहीं मिलने पर आक्रोश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के जयप्रकाश हॉस्पिटल, तुलसी नगर स्थित संचालक स्वास्थ्य सेवाएं कार्यालय परिसर में एएनएम अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन लगातार उग्र होता जा रहा है। मंगलवार को दिनभर धरना देने के बाद भी 20-25 महिलाएं रात में भी वहीं डटी रहीं। भीषण गर्मी के बावजूद उन्होंने प्रदर्शन जारी रखा, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई। एहतियात के तौर पर मौके पर पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

धरने में शामिल महिलाएं खुले आसमान के नीचे देर रात तक बैठी रहीं और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करती रहीं। उनका कहना है कि जब तक उन्हें नियमित नियुक्ति (जॉइनिंग) नहीं दी जाती, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगी। अभ्यर्थियों के अनुसार, उन्होंने वर्ष 2023 में हरूके नियमित पदों के लिए आवेदन किया था और भर्ती प्रक्रिया में हुई विसंगतियों के खिलाफ कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट से फैसला उनके पक्ष में आने के बावजूद अब तक नियुक्ति नहीं दी गई है। प्रदर्शनकारी ममता हिरवे ने बताया कि वे पहले भी कई बार आंदोलन कर चुकी हैं, यहां तक कि 9 दिन का आमरण अनशन भी किया गया था। उस दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया था कि जल्द जॉइनिंग दी जाएगी, लेकिन 9 माह बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा जारी सूचियां सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई हैं और उनमें बार-बार उन्हीं नामों को दोहराया जा रहा है, जिनकी नियुक्ति पहले ही हो चुकी है। वहीं, वर्षों से संविदा में सेवाएं दे रहीं और कोविड काल में काम कर चुकी अभ्यर्थियों को नजरअंदाज किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें सिर्फ आश्वासन का लॉलीपॉप दिया जा रहा है और न्यायपालिका के आदेशों की भी अनदेखी की जा रही है। ऐसे में वे अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। रात में भी जारी इस धरने ने प्रशासन पर दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज हो सकता है।

फल पकाने में हो रहा था घातक रसायनों का उपयोग, विभाग ने तीन दुकानों से लिए नमूने

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

गर्मी के मौसम में बाजार में फलों की मांग बढ़ते ही उन्हें जल्दी पकाने के लिए शहर में घातक रसायनों का उपयोग बेखौफ किया जा रहा है। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन के आकस्मिक निरीक्षण में यह सामने आया है। अलग-अलग स्थानों में की गई कार्रवाई के दौरान टीम द्वारा तीन फल विक्रेताओं से नमूने भी जुटाये गये हैं।

जानकारी के अनुसार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने लालघाटी स्थित दांगी फल सब्जी विक्रेता व करोंद फल-सब्जी मंडी की एक दर्जन से अधिक दुकानों पर जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान फलों को कृत्रिम रूप से पकाने वाले संदिग्ध रसायनों, आम, तरबूज और खरबूज के सर्विलांस एवं जांच नमूने लिए गए हैं। करोंद फल मंडी स्थित दुकान नंबर 18, 'सईद फ्रूट कंपनी' संचालक मोहम्मद सईद और न्यू फ्रूट सब्जी मंडी, करोंद स्थित दुकान नंबर 13 संचालक मोहम्मद परवेज की दुकानों से एथिलीन रिपनर को जब्त किया गया है। यह केमिकल स्वास्थ्य की दृष्टि से घातक माना जाता है।

भारतीय मानक ब्यूरो का मानक संवाद आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) भोपाल इकाई ने नए लाइसेंस प्राप्त उत्पादकों के लिए मंगलवार को मानक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य बीआईएस के नियमों को समझाना और प्रमाणन धारकों को अनुपालन बनाए रखने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन मोहम्मद रिजवान, निदेशक एवं प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो ने किया। उन्होंने नए लाइसेंसधारकों को बीआईएस मानकों के पालन के महत्व को समझाया।

रेडक्रॉस सप्ताह : पीपुल्स कॉलेज में पंच प्रण जागरूकता कार्यक्रम

सकारात्मक सोच से ऊंचा मुकाम हासिल करें छात्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भविष्य में विद्यार्थियों को ऊंचे मुकाम तक पहुंचने के लिए सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं सेवा भावना अपनाना होगा।

यह बात भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा मध्य प्रदेश के सचिव रामेंद्र सिंह ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी राज्य शाखा मप्र द्वारा रेडक्रॉस सप्ताह के अंतर्गत पीपुल्स कॉलेज के सभागार में आयोजित पंच प्रण पर्यावरण संरक्षण, पॉलीथीन मुक्त भारत, जल संरक्षण एवं नशा मुक्त भारत विषय पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, पालीथीन मुक्त भारत, जल संरक्षण एवं नशा मुक्त भारत जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कॉलेज परिसर एवं समाज में समूह बनाकर जनजागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को रेडक्रॉस के सिद्धांतों एवं सेवा कार्यों तथा कुटुंब प्रबोधन विषय पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के डायरेक्टर अंकित द्विवेदी एवं डीन प्रमिला कुलकर्णी भी उपस्थित रही। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ

मेट्रो एंकर

दुष्यंत कुमार संग्रहालय का दो दिवसीय विश्व संग्रहालय दिवस आयोजन

वस्तुओं का संग्रह ही नहीं करते, जड़ों से जोड़ते हैं संग्रहालय- राजेश भट्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संग्रहालय सिर्फ पुरानी वस्तुओं का संग्रह ही नहीं बल्कि हमें अपनी जड़ों एवं विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते हैं।

यह उदगार हैं राजेश भट्ट सूचना आयुक्त मध्य प्रदेश शासन के जो दुष्यंत कुमार संग्रहालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय विश्व संग्रहालय दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे । इस अवसर पर आयोजित प्रश्नोत्तरी में - जनजातीय संग्रहालय का लोकार्पण किसने किया था, अजायबघर के नाम से कौन सा संग्रहालय जाना जाता है, भारत भवन के वास्तुकार कौन थे, दुष्यंत संग्रहालय की स्थापना किस सन् में हुई थी जैसे रोचक और महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे गये। प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का संचालन सुधा दुबे ने किया। विभाजित विश्व को एकजुट करने में संग्रहालय की भूमिका इस बार की इस थीम थी। अध्यक्षत सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव एम.एम. उपाध्याय न की। विशिष्ट अतिथि थे पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं पुरातत्ववेत्ता सुभाष अत्रे । उन्होंने बताया कि भारत में सबसे पहले संग्रहालय की शुरुआत कोलकाता में हुई थी तथा भारत में इस समय लगभग दो सौ अस्सी संग्रहालय है। राजेश भट्ट ने आकाशवाणी के संग्रह को लेकर अपनी बात करते हुए कहा कि भारत? में दिल्ली और भोपाल ही दो ऐसे स्थान हैं जहां तिजोरियां हैं, जिनमें देश के प्रमुख संगीतकारों , साहित्यकारों, राजनेताओं और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर दिए गए भाषणों और कार्यक्रमों का संग्रह रखा गया है। उन्होंने बताया कि इस तिजोरी पर किसी भी मौसम का कोई प्रभाव नहीं पड़ता और इसके दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं। उन्होने बताया कि भोपाल को भौगोलिक सुरक्षा की दृष्टि से चुना गया है।

इस अवसर पर संग्रहालय द्वारा बनाए गए पांच समूहों में 6-6 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समूह का नेतृत्व अनीता सक्सेना, राज्य संग्रहालय समूह का नेतृत्व देवेंद्र तिवारी, जनजातीय संग्रहालय समूह का नेतृत्व डॉक्टर प्रतिभा द्विवेदी ,दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय का नेतृत्व वी के श्रीवास्तव और माधवराव सप्रे संग्रहालय एवं शोध संस्थान का नेतृत्व किया डॉ कल्पना वर्मा ने। इन सभी समूह से पूछे गए प्रश्नों के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय को, द्वितीय स्थान राज्य संग्रहालय को और तृतीय स्थान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय को मिला । कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन सुरेश पटवा एवं द्वितीय सत्र का संचालन घनश्याम मैथिल अमृत ने किया।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया सेल के अध्यक्ष मुकेश नायक की माताजी का निधन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक की माताजी श्रीमती कांति देवी का आज दुखद निधन हो गया। अतिम यात्रा आज शाम 5 बजे दमोह में निकलेगी। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्रीमती कांति देवी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि संदेश में कहा गया कि ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल नायक परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। कांग्रेसजनों ने कहा कि इस कठिन समय में पूरा कांग्रेस परिवार नायक परिवार के साथ खड़ा है। और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता है।

सिंधी समाज के संत साईं साधराम ब्रह्मलीन

संतनगर. सिंधी समाज और आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति हुई है। लाखों श्रद्धालुओं के संत साईं साधराम साहेब जी अपना नश्वर शरीर त्यागकर सच्चे साईं की पावन ज्योत में विलीन (ब्रह्मलीन) हो गए हैं। उनके देवलोकगमन की खबर फैलते ही देश-विदेश में बसे लाखों श्रद्धालुओं और प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है। संत सतरामधाम, रहड़की साहेब (सिंध) द्वारा पूज्य साईं साहेब के पावन पार्थिव स्वरूप के अंतिम दर्शन और वैदिक व संत परंपरा के अनुसार उनका अंतिम विधान किया जाएगा। आज शाम 5 बजे साहेब का पार्थिव स्वरूप संत सतरामधाम, रहड़की साहेब, सिंध पहुंचेगा। 21 मई प्रातः 9 बजे तक अंतिम दर्शन कर सकेंगे। प्रातः 10 बजे पावन पार्थिव स्वरूप को पंचतत्व में विलीन की जाएगी।

विज्ञान, विकास और विज़न का संगम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ स्थित दंतेवाड़ा साइंस सेंटर का भ्रमण कर विज्ञान एवं नवाचार की आधुनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान केंद्र में स्थापित तकनीकी मॉडल, डिजिटल प्रयोगशालाओं और युवा विद्यार्थियों के लिए तैयार किए गए शैक्षणिक संसाधनों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान और तकनीक ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं तथा ऐसे केंद्र युवाओं की प्रतिभा को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। यह दौरा ज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने वाला साबित हुआ।

सरकारी छुट्टियों के नियमों में बड़ा बदलाव

अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए तय हुआ क्राइटेरिया विभाग का नया आदेश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृत करने की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 'मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम' के अंतर्गत वित्त विभाग द्वारा जारी नए आदेशों में अब सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए छुट्टी मंजूरी का स्पष्ट क्राइटेरिया निर्धारित कर दिया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी को कम करना और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है।

नए नियमों के तहत शासन ने विकेंद्रीकरण की नीति को आगे बढ़ाते हुए अवकाश स्वीकृति के अधिकार स्थानीय स्तर पर ही सौंप दिए हैं। अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की छुट्टियों को मंजूरी देने का पूरा अधिकार संबंधित कार्यालय प्रमुख के पास होगा। कार्यालय प्रमुख अपने स्तर पर नियमों के अनुसार अवकाश स्वीकृत कर सकेंगे, जिससे छोटे स्तर की फाइलें उच्च कार्यालयों तक भेजने की आवश्यकता कम हो जाएगी।

नए प्रावधानों के अनुसार कर्मचारी एक बार में अधिकतम 120 दिनों तक का अवकाश ले सकेंगे। यह व्यवस्था कर्मचारियों की आवश्यकता और प्रशासनिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। दूसरी ओर, द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों के अवकाश स्वीकृति का अधिकार अब जिला कलेक्टर को सौंप दिया गया है, जिससे निर्णय प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और तेज होगी। प्रथम श्रेणी के अधिकारियों के अवकाश की स्वीकृति अब संबंधित विभागाध्यक्ष कार्यालय द्वारा की जाएगी। इससे उच्च स्तर पर भी निर्णय प्रक्रिया को स्पष्ट दिशा मिलेगी और अनावश्यक देरी की संभावना कम होगी।

संचालनालय और कोष स्तर पर भी तय हुए अधिकार

नए आदेशों में संचालनालय स्तर की व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। कार्यालय प्रमुख, संचालक और कोष आयुक्त को उनके अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश स्वीकृत करने के विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं। इससे विभागीय कामकाज अधिक सुचारु और तेज गति से संचालित हो सकेगा। सरकार का मानना है कि इस नए क्राइटेरिया के लागू होने से अवकाश स्वीकृति में होने वाली देरी समाप्त होगी और फाइलों के अनावश्यक संचलन पर रोक लगेगी। इससे न केवल प्रशासनिक कामकाज में तेजी आएगी, बल्कि कर्मचारियों को भी समय पर अवकाश की सुविधा मिल सकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की ईंधन बचाने की अपील की के बाद

प्रदेश के बीजेपी नेताओं ने कराई फजीहत अब इलेक्ट्रिक वाहनों से कर रहे हैं यात्रा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल-ईरान युद्ध के कारण बने वैश्विक हालात को देखते हुए पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन का संयमित उपयोग करने की अपील की थी। पीएम की इस अपील को अनदेखा कर मध्य प्रदेश के नवनियुक्त निगम, मंडल और बोर्ड के अध्यक्षों-उपाध्यक्षों ने वाहन रैलियां निकालीं, जिसके बाद पूरे देश में एमपी बीजेपी नेताओं की फजीहत हुई। मामले में दिल्ली से केंद्रीय नेतृत्व की फटकार पड़ी तो एमपी बीजेपी ने दो नेताओं पर एक्शन लिया। साथ ही कई नेताओं को हिदायत भी दी गई। वाहन रैलियों को लेकर आलोचना होने के बाद अब संगठन ने सख्ती दिखाई है। इसके बाद मंत्री, विधायक और सांसद भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते नजर आ रहे हैं।

प्रद्युम्न सिंह तोमर ऊर्जा मंत्री: पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर दिखाते हुए उन्होंने अपनी लग्जरी गाड़ी छोड़ दी और ई-स्कूटी मंत्रालय पहुंचे। सीएम हाउस में सत्ता और संगठन की वन-टू-वन मीटिंग में शामिल होने भी वे ई-स्कूटी से ही पहुंचे थे।

गौतम टेटवाल तकनीकी शिक्षा मंत्री: तकनीकी शिक्षा मंत्री गौतम टेटवाल अपने विधानसभा क्षेत्र में सारंगपुर से पचोर तक बस से सफर कर पहुंचे थे। इसके दो दिन बाद वे प्रभारी जिले बड़वानी में भी कलेक्टर जयति सिंह और अधिकारियों के साथ बस से बैठक में शामिल होने पहुंचे।

डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री: सीएम ने खुद अपने काफिले में एस्कॉर्ट और गाड़ियों की संख्या कम की है। पहले उनके काफिले में 13 वाहन चलते थे, जबकि अब सिर्फ 6 गाड़ियां चल रही हैं। दिल्ली दौरे के दौरान उन्होंने मेट्रो से सफर कर सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया।

ये हैं वाहन रैलियां निकालने वाले नेता

सौभाग्य सिंह ठाकुर अध्यक्ष, मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम: पदभार ग्रहण करने के दौरान उज्जैन से भोपाल तक 200 से 700 गाड़ियों का विशाल काफिला निकाला। वीडियो वायरल होने के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया। कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही जांच पूरी होने तक सभी प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए।

सज्जन सिंह यादव जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा भिंड: नियुक्ति के बाद लग्जरी कारों की विशाल वाहन रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। संगठन ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए तत्काल प्रभाव से उनकी नियुक्ति रद्द कर दी।

वीरेंद्र गोयल अध्यक्ष, सिंगरौली विकास प्राधिकरण: जब पदभार ग्रहण करने पहुंचे, तब उनके समर्थकों ने भी विशाल वाहन रैली निकाली थी। इस रैली के कारण सिंगरौली शहर की सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम लगा था। आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंकज जोशी अध्यक्ष, मध्य प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड: नियुक्ति का जश्न मनाने के लिए विशाल वाहन रैली निकाली थी। काफिले में करीब 100 से ज्यादा गाड़ियां शामिल थीं, जिसे पीएम की ईंधन बचाने की अपील का उल्लंघन माना गया।

सत्येंद्र भूषण सिंह अध्यक्ष, मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम: नियुक्ति के बाद भोपाल के अवधपुरी स्थित घर से बीजेपी प्रदेश कार्यालय तक ई-रिक्शा से पहुंचे। इसके बाद न्यू मार्केट स्थित कार्यालय में पदभार ग्रहण करने भी ई-रिक्शा से ही पहुंचे। हालांकि भाजपा कार्यालय के बाहर उनके समर्थकों की गाड़ियों की लंबी लाइन नजर आई थी।

राकेश सिंह जादौन उपाध्यक्ष, मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड: यह भी प्रदेश बीजेपी कार्यालय पहुंचने के लिए ई-रिक्शा का उपयोग करते नजर आए। हालांकि विदिशा से भोपाल तक वे गाड़ियों का काफिला लेकर पहुंचे थे।

जलसंकट: महापौर ने एलएंडटी को लगाई फटकार

इंदौर में बिगड़ रहे हालात, नगर निगम के 6500 बोरिंग में से 3538 पूरी तरह सूख गए

इंदौर, दोपहर मेट्रो

शहर के आधे से ज्यादा सरकारी बोरिंग सूख चूके हैं। यही वजह है कि ज्यादातर क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से नर्मदा जल पहुंचाया जा रहा है। गंभीर स्थिति को देखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में स्काडा सेंटर में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि शहर में निगम के 6500 बोरिंग हैं। इनमें से 3538 सूख चुके हैं। पिछले वर्ष गर्मी से इस वर्ष गर्मी के बीच शहर में सात नई टंकियां शुरू की गई हैं। इनसे लगभग 20 प्रतिशत जनसंख्या को लाभ मिल रहा है। साथ ही 20 एमएलडी अतिरिक्त जल टंकियों से टैंकर के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि अगले एक-दो दिन में शहर के लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्रों में जलापूर्ति सामान्य हो जाएगी।

वर्तमान में जल संकट से निपटने के लिए नगर निगम के लगभग 650 टैंकरों के साथ-साथ 100 से अधिक अतिरिक्त टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचा रहा है। बैठक में महापौर ने एलएंडटी के पास पर्याप्त टीम नहीं पर फटकार लगाई। बैठक में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि तकनीकी जांच में यह बात सामने आई है कि कई टंकियों और मुख्य पाइप लाइनों के वाल्व में सीपेज और छेड़छाड़ के मामले सामने आए हैं। बीएफ-2 लाइन से जुड़ी 18 टंकियां प्रभावित हुईं। लालबाग के पास मास्टर वाल्व में सीपेज मिला, जबकि गंगवाल, शिवानी नगर और अन्य क्षेत्रों में भी वाल्व से छेड़छाड़ पाई गई। इसके बाद सभी वाल्वमैन की बैठक लेकर जवाबदेही तय की गई। टैंकर संचालकों को साढ़े तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है, ताकि जलापूर्ति बाधित न हो।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 5 में 25 टंकियों से आपूर्ति

बैठक में विधानसभा क्षेत्र 5 के जल संकट की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में 25 जल टंकियां संचालित हैं और सभी में नियमित रूप से पानी भरा जा रहा है। मूसाखेड़ी में स्थापित स्ट्टड्ड सिस्टम के माध्यम से प्रत्येक जलाशय और टंकी में भेजे जा रहे पानी की लाइव मानिटरिंग की जा सकती है। महापौर ने कहा कि जलापूर्ति में भेदभाव के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। जहां पाइपलाइन से पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां प्रत्येक पार्षद को टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं।

16 जून से स्कूल खुलते ही शुरू होगी ज्वाइनिंग प्रक्रिया

गर्मी की छुट्टियों के बाद सरकारी स्कूलों में शुरू होगी गेस्ट टीचर्स की ज्वाइनिंग प्रोसेस

भोपाल , दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्रीष्मावकाश समाप्त होने के बाद 16 जून से स्कूल खुलते ही रिक्त पदों पर ज्वाइनिंग दी जाएगी। इसके लिए विभाग द्वारा विषयवार खाली पदों की सूची भी जारी कर दी गई है। इसके अनुसार माध्यमिक शिक्षक वर्ग में सबसे अधिक रिक्तियां अंग्रेजी, गणित और संस्कृत विषय में सामने आई हैं। इन विषयों में नियमित शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। ऐसे में नए शिक्षा सत्र की शुरुआत से पहले ही अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिलेवार और विषयवार रिक्त पदों के अनुसार पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित स्कूलों में आवश्यकता के अनुसार अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति एक जुलाई से की जाएगी।

70 हजार पद पर अतिथि शिक्षक पदस्थ

प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में हर वर्ष बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। इस बार भी 70 हजार पदों पर अतिथि शिक्षकों को अवसर मिलने की संभावना है। इनकी सेवाएं 30 अप्रैल को समाप्त हुई है। अब एक जुलाई से इनकी पदस्थापना की जाएगी। अतिथि शिक्षकों से ऑनलाइन पोर्टल पर स्कोर कार्ड जनरेट किए जा रहे हैं।

रास चुनाव से पहले कांग्रेस अलर्ट क्रॉस वोटिंग को लेकर बढ़ी चिंता

भोपाल , दोपहर मेट्रो

प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटें इसी वर्ष जून में रिक्त हो रही हैं। इन सीटों पर निर्वाचन के लिए अधिसूचना शीघ्र जारी होने की आशा है। चुनाव नजदीक आते ही क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है। कारण, चार विधायक भी खिसक गए तो कांग्रेस के हाथ से सीट निकल जाएगी।

बता दें कि विधायकों के संख्या बल की दृष्टि से दो सीटें भाजपा को मिलनी तय हैं। बची एक सीट वर्तमान की स्थिति में कांग्रेस के खाते में जाएगी, पर कुछ राज्यों में कांग्रेस विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग या अनुपस्थित रहने की

अनुपस्थिति बनी चुनौती

दतिया से विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता शून्य किए जाने के बाद अब कांग्रेस के 64 सदस्य विधानसभा में हैं। श्योपुर जिले के विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा की सदस्यता शून्य करने संबंधी निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक तो लगा दी है, लेकिन वह चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। बीना से कांग्रेस के टिकट पर जीतीं निर्मला सप्रे के विरुद्ध नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने दलबदल विरोधी कानून के अंतर्गत कार्रवाई के लिए हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिस पर सुनवाई चल रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

उज्जैन में 25-26 मई को होगी शिप्रा तीर्थ परिक्रमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश में जल संरक्षण और सांस्कृतिक चेतना को लेकर बड़े आयोजन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा उज्जैन में 25 और 26 मई को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जाएगा। वहीं, भोपाल के भारत भवन में 27 मई से दो जून तक 'सदानीरा समागम' आयोजित होगा। मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने बताया कि गंगा दशमी के अवसर पर आयोजित शिप्रा तीर्थ परिक्रमा धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मां शिप्रा को 300 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे।

मैथिली ठाकुर और इंडियन नेवी बैंड की प्रस्तुति

26 मई को आयोजित मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भारतीय नौसेना (इंडियन नेवी) बैंड की प्रस्तुति होगी। इसके अलावा मुंबई के केशवम् बैंड द्वारा भजन जैमिंग और प्रसिद्ध लोक गायिका मैथिली ठाकुर अपने साथियों के साथ भजनों की प्रस्तुति देंगी। भोपाल स्थित भारत भवन में 27 मई से दो जून तक आयोजित होने वाले सदानीरा समागम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस अवसर पर इसरो हैदराबाद के भू-विज्ञान समूह के निदेशक डॉ. ईश्वर चंद्र दास विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

दोपहर मेट्रो | क्वालिटी ऑडिट मोबाइल ऐप : संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार की नई डिजिटल पहल

प्रदेश में 252 सामाजिक संस्थाओं की निगरानी अब मोबाइल ऐप से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक अभिनव पहल के रूप में क्वालिटी ऑडिट मोबाइल एप लागू किया गया है। यह पहल डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य शासन की जनकल्याणकारी सोच को आगे बढ़ाती है। प्रदेश में संचालित शासकीय एवं अशासकीय संस्थाएं जैसे दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र, वृद्धाश्रम, दिव्यांगजनों के संचालित विशेष विद्यालय और नशा मुक्ति केंद्र समाज के कमजोर वर्गों को आश्रय और सेवाएं प्रदान करते हैं। वर्तमान में 252 संस्थाओं के सुचारू संचालन और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीक का सहारा लिया गया है। एमपीएसईडीसी के सहयोग से विकसित यह मोबाइल ऐप निरीक्षण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाता है।

इस ऐप की कार्यप्रणाली एक व्यवस्थित प्रक्रिया पर आधारित है, जिसकी शुरुआत जिला अधिकारी द्वारा विभागीय पोर्टल पर लॉगइन करने से होती है। इसके बाद स्थानीय निकाय में पदस्थ सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को पोर्टल पर पंजीकृत कर यूजर आईडी प्रदान की जाती है, जो उन्हें एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होती है। निरीक्षण कार्य को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए निरीक्षण दल का गठन किया जाता है और उसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज की जाती है।

अगले चरण में संबंधित संस्था का चयन कर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी को निरीक्षण के लिए असाइन किया जाता है। अधिकारी मोबाइल ऐप डाउनलोड कर आवश्यक अनुमतियां प्रदान करते हैं तथा लोकेशन ऑन कर लॉगइन करते हैं। इसके बाद जिस संस्था का निरीक्षण किया जाना है, उसका चयन कर निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होती है। निरीक्षण के दौरान मोबाइल ऐप के माध्यम से संस्था के न्यूनतम 5 फोटो लिए जाते हैं, जिनके साथ विस्तृत विवरण और रिमार्क दर्ज किए जाते हैं। ऐप में निर्धारित प्रश्नों के उत्तर संस्था की वास्तविक स्थिति के आधार पर भरे जाते हैं, जिससे मूल्यांकन निष्पक्ष और तथ्यात्मक बनता है। निरीक्षण के आधार पर अंत में संस्था को ग्रेडिंग प्रदान की जाती है और रिपोर्ट को सबमिट कर निरीक्षण पूर्ण किया जाता है। पूरी प्रक्रिया के बाद निरीक्षण रिपोर्ट संचालनालय और जिला स्तर पर ऑनलाइन उपलब्ध हो जाती है। जिला अधिकारी इन रिपोर्टों और ग्रेडिंग का परीक्षण कर संस्थाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करते हैं।

संस्थाओं के लिए निगरानी तंत्र के रूप में उभरा ऐप

राज्य शासन इन संस्थाओं में रहने वाले दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और अन्य जरूरतमंदों को बेहतर जीवन स्तर, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली अनुदान राशि का सही उपयोग सुनिश्चित करने में भी यह एप महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुल मिलाकर, यह मोबाइल ऐप मध्यप्रदेश में सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं के लिए एक आधुनिक और प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उभरा है। डिजिटल तकनीक के माध्यम से शासन ने यह सुनिश्चित किया है कि सेवा प्रदायगी में पारदर्शिता बनी रहे और प्रत्येक हितग्राही तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं पहुंचें। यह पहल न केवल प्रशासनिक सुधार का उदाहरण है, बल्कि संवेदनशील और समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

भारी न पड़े डीएमके का गुस्सा

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बेशक केरल में सत्ता मिल गयी, लेकिन इंडिया गठबंधन की कमजोरी के संकेत भी दिखने लगे हैं। खासकर तमिलनाडु में कांग्रेस द्वारा विजय को समर्थन देने से डीएमके नाराज है और उसने कांग्रेस के फैसले को पीठ में छुरा घोंपना कहा है। डीएमके ने लोकसभा अध्यक्ष से लोकसभा में अपनी सीटिंग अरेंजमेंट भी कांग्रेस से अलग करने के लिए कहा है। कांग्रेस और डीएमके के राजनीतिक संबंधों का इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वर्ष 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद दोनों पार्टियों के रिश्ते बेहद तल्ख हो गये थे। कांग्रेस ने डीएमके पर एलटीटीइ के प्रति नरम रवैया बरतने के आरोप लगाये थे। याद कीजिए, 1998 में कांग्रेस ने राजीव गांधी के हत्यारों को डीएमके द्वारा कथित समर्थन देने का आरोप लगाकर आइके गुजराल सरकार से हाथ खींच लिये थे। पर कुछ वर्षों बाद दोनों दल फिर साथ आये। वर्ष 2004 और 2009 में कांग्रेसनीत यूपीए सरकार में डीएमके अहम सहयोगी बनी। किंतु 2013 में डीएमके ने श्रीलंका के मुद्दे पर यूपीए सरकार का साथ छोड़ दिया था। तो क्या राहुल गांधी ने 2013 का बदला चुकाया है? दरअसल, राजनीति में वर्षों पुराने अतीत की इतनी अहमियत नहीं होती, जितनी वर्तमान या भविष्य की। इसलिए विजय की टीवीके के साथ जाने का फैसला लेते समय राहुल के जेहन में 2013 तो कतई नहीं होगा, बल्कि इसे महीने भर पहले टीवीके के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन न करने की भूल को सुधारने की कोशिश माना जा सकता है। उल्लेखनीय है कि हालिया विधानसभा चुनावों से पहले राहुल गांधी ने मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के अन्य पुराने नेताओं की सलाह पर डीएमके के साथ बने रहने का फैसला किया था, जबकि तमिलनाडु कांग्रेस का एक धड़ा, खासकर युवा नेता इससे सहमत नहीं थे। अपनी इस गलती का अहसास राहुल को मतदान वाले दिन ही हो गया था। तमिलनाडु में त्रिशंकु सदन की स्थिति आते ही राहुल ने कांग्रेस के वर्षों पुराने साझेदार डीएमके से नाता तोड़कर एक्टर 'थलापति' विजय की नयी- नवेली पार्टी व सरकार को समर्थन देने में एक पल की भी देरी नहीं लगायी। राहुल के इस फैसले ने नये सियासी समीकरणों को लेकर नयी बहस छेड़ दी है। कुछ हलकों में उनके इस फैसले को भले ही घोर अवसरवादी बताया जा रहा हो, लेकिन स्वयं उनकी अपनी पार्टी ही नहीं, विपक्षी दलों के बीच भी इस घटनाक्रम को उत्सुकता से देखा जा रहा है।

कार पर लोन सस्ता, शिक्षा पर महंगा, सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर प्रश्नचिह्न

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है। लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है तो तस्वीर कुछ और दिखाई देती है। विडंबना यह है कि आज भारत में कार खरीदना आसान हो रहा है लेकिन उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार कठिन और महंगा होता जा रहा है। बैंक आपको नई कार खरीदने के लिए आकर्षक ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार मिल जाएंगे, परंतु वही बैंक जब किसी विद्यार्थी को शिक्षा ऋण देते हैं तो ब्याज दरें बढ़ जाती हैं, नियम कठोर हो जाते हैं और भविष्य को जोखिम मान लिया जाता है। यह स्थिति केवल बैंकिंग प्रणाली की तकनीकी समस्या नहीं बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न भी है।

आज भारत में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों के सामर्थ्य से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, निजी विश्वविद्यालयों की पढ़ाई या विदेश में शिक्षा—हर क्षेत्र में फीस लाखों में पहुँच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत लगा देते हैं, गहने बेचते हैं, भविष्य निधि तोड़ते हैं, फिर भी शिक्षा ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है। दुखद स्थिति यह है कि जिस शिक्षा से एक युवा का भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ लाद दिया जाता है। कार लोन की ब्याज दरें कई बार शिक्षा ऋण से कम होती हैं। अर्थात एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ता है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं बल्कि सामाजिक सोच की भी त्रासदी है। बैंकिंग व्यवस्था का तर्क यह होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है क्योंकि वाहन बैंक के लिए गिरवी संपत्ति का काम करता है। यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति भुगतान न करे तो कार जब्त की जा सकती है। लेकिन शिक्षा ऋण में बैंक के पास कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती। वहाँ केवल छात्र की योग्यता, उसकी डिग्री और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं। यह तर्क बैंकिंग दृष्टि से भले सही प्रतीत हो लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से अत्यंत संकीर्ण है। किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा निवेश उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता या प्रशासक बनता है तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं होता, पूरा समाज उससे लाभान्वित होता है। ऐसे में शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक उत्पाद की तरह देखना दूरदर्शिता नहीं कहलाएगा।

वर्तमान समय में शिक्षा ऋण केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि मानसिक दबाव का कारण भी बनता जा रहा है। लाखों विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले ही कर्ज का भय उन्हें परेशान करने लगता है। कई छात्र अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार करियर चुनने के बजाय केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर इसलिए भागते हैं ताकि ऋण चुका सकें। परिणामस्वरूप शोध, अध्यापन, साहित्य, सामाजिक सेवा और कला जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या घटती जा रही है। समाज धीरे-धीरे केवल वेतन आधारित सफलता का समर्थक बनता जा रहा है। इस समस्या का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय मध्यम वर्ग पर पड़ता है। आर्थिक रूप से संपन्न परिवार महँगी शिक्षा का खर्च आसानी से उठा लेते हैं। गरीब वर्ग के लिए सरकार की कुछ योजनाएँ और छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध होती हैं। लेकिन सबसे अधिक संघर्ष उस वर्ग को करना पड़ता है जो 'गरीब' की श्रेणी में नहीं आता, फिर भी लाखों रुपये की फीस वहन करने में सक्षम नहीं होता। ऐसे परिवारों के लिए शिक्षा ऋण मजबूरी बन जाता है। एक पिता पूरी जिंदगी की कमाई बेटे या बेटी की पढ़ाई में लगा देता है, इस उम्मीद के साथ कि शिक्षा भविष्य को सुरक्षित करेगी। लेकिन जब उसी शिक्षा पर भारी ब्याज लग जाता है, तो वह सपना धीरे-धीरे आर्थिक बोझ में बदलने लगता है।

आज भारत में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है। सरकारी संस्थानों की सीमित सीटों के कारण लाखों छात्रों को निजी कॉलेजों का रुख करना पड़ता है। वहाँ फीस इतनी अधिक होती है कि सामान्य परिवारों के लिए बिना ऋण के पढ़ाई संभव नहीं रह जाती। कई बार छात्र केवल फीस और ब्याज के कारण अपने सपनों के संस्थान छोड़ देते हैं। प्रतिभा आर्थिक क्षमता के सामने हार जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज के लिए चिंताजनक है। यह भी विचारणीय है कि आज के समय में शिक्षा केवल व्यक्तिगत प्रगति का माध्यम नहीं रही बल्कि आर्थिक और सामाजिक अस्तित्व की आवश्यकता बन चुकी है। बिना उच्च शिक्षा के बेहतर रोजगार प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में यदि शिक्षा ही महँगी और ऋण बोझिल होगा तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी। जो परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हैं, वे आगे निकल जाएंगे, जबकि सीमित साधनों वाले प्रतिभाशाली छात्र पीछे छूटते चले जाएंगे। यह केवल व्यक्ति की हानि नहीं होगी बल्कि देश अपनी संभावित प्रतिभाओं को खो देगा। भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर और दीर्घकालिक कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले शिक्षा ऋण की ब्याज दरों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। यदि सरकार वाहन उद्योग, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक नीतियाँ बना सकती है तो शिक्षा जैसे मूलभूत क्षेत्र के लिए अलग वित्तीय नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती? शिक्षा ऋण पर ब्याज न्यूनतम होना चाहिए और पढ़ाई पूरी होने तक ब्याज स्थगन की व्यवस्था व्यापक स्तर पर लागू की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त रोजगार मिलने तक ऋण पुनर्भुगतान में लचीलापन होना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में कई छात्रों पर डिग्री पूरी होते ही ईएमआई का दबाव शुरू हो जाता है, जबकि नौकरी मिलने में समय लग सकता है। यह मानसिक तनाव युवाओं की ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित करता है। यदि सरकार और बैंक छात्रों को कुछ वर्षों का व्यावहारिक समय दें तो वे अपने करियर को अधिक स्थिरता के साथ शुरू कर पाएंगे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को उपभोग नहीं, निवेश माना जाए। एक शिक्षित युवा केवल अपनी जिंदगी नहीं बदलता, वह परिवार, समाज और राष्ट्र की दिशा भी बदल सकता है। इसलिए शिक्षा पर लगाया गया हर रुपया भविष्य की नींव होता है। सरकार, बैंकिंग संस्थानों और समाज- तीनों को मिलकर यह समझना होगा कि यदि प्रतिभा आर्थिक बोझ के नीचे दब गई, तो देश का विकास भी अधूरा रह जाएगा। जिस दिन भारत में शिक्षा ऋण को बोझ नहीं, अवसर की तरह देखा जाने लगेगा, उस दिन शायद किसी विद्यार्थी को अपने सपनों की कीमत भारी ब्याज में नहीं चुकानी पड़ेगी। तभी शिक्षा वास्तव में अधिकार बनेगी, सुविधा नहीं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

उर्वरक उपयोग में कमी से आएगा व्यापक बदलाव, खेती किसानी को मिलेगी नई दिशा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले दिनों देशवासियों से किये गए सात आग्रहों में से एक रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कमी लाने का है। इसमें दो राय नहीं कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुध उपयोग के दुष्परिणामों को लेकर गत कई सालों से गंभीर आग्रह किये जा रहे हैं। प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन सेचुरेशन स्तर पर पहुंच गया है तो मिट्टी की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंच रहा है, मिट्टी और जल प्रदूषण उच्च स्तर पर पहुंच गया है तो रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से कैंसर जैसी बीमारियों का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। यहां तक कि अत्यधिक खाद्यान्न उत्पादन वाले किसान और प्रदेश अपने दैनिक उपभोग के लिए जैविक खाद्यान्न या अन्य प्रदेशों के खाद्यान्न के उपयोग पर जोर देने लगे हैं। यह भी तथ्य है कि देश में लाख प्रयासों के बावजूद रासायनिक उर्वरकों का आयात लगातार बढ़ रहा है। विदेशों से 979 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात में से ईंधन के बाद बहुत अधिक आयात राशि उर्वरकों पर भी व्यय होती है।

देश में करीब 600 लाख टन उर्वरकों की खपत है जिसके साल 2030 तक 700 से 800 लाख टन तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तस्वीर का एक पक्ष यह है कि रासायनिक उर्वरकों में देश की मांग के शत-प्रतिशत पोटाश की विदेशों से आयात पर निर्भरता है तो फास्फेट के तकरीबन 90 प्रतिशत और यूरिया के करीब 25 प्रतिशत तक आयात पर निर्भरता है। यूरिया की आयात निर्भरता करीब 25 प्रतिशत तक है पर यूरिया उत्पादन के लिए काम में आने वाली प्राकृतिक गैस की जरुरत करीब 80 प्रतिशत तक विदेशों से आयात से ही संभव हो पाती है। एक मोटे अनुमान के अनुसार रासायनिक उर्वरकों पर दो लाख करोड़ के आसपास अनुदान राशि दी जा रही है। प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक कटौती का आग्रह किया है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने के लिए जहां एक और जैविक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है वहीं पीएम प्रणाम योजना में राज्यों को प्रोत्साहित करने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री का आग्रह है कि 10 प्रतिशत फर्मेंटेड खाद का उपयोग बढ़ाकर किसान बड़ा सहयोग दे सकते हैं। जून 2023 में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्र सरकार ने प्रोत्साहन योजना लागू की है। योजना के अनुसार रासायनिक उर्वरकों के तीन साल के औसत उपयोग से खपत कम करने पर अनुदान के रुप में बचाई गई राशि की 50 प्रतिशत राशि राज्य सरकारों को प्रोत्साहन के रुप में देने की व्यवस्था की गई है। इसमें से 70 प्रतिशत राशि गांवों में वैकल्पिक उर्वरक यानी जैविक खाद उत्पादन व तकनीक के विस्तार पर व्यय करने पर जोर दिया जा रहा है वहीं, 30 प्रतिशत राशि रासायनिक उर्वरकों की खपत करने के लिए काश्तकारों को जागरुक करने, अवेयरनेस कार्यक्रम चलाने आदि पर व्यय करने का प्रावधान है। विशेषज्ञों का मानना है कि फर्मेंटेड खाद के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की खपत में अच्छी खासा कमी लाई जा सकती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फर्मेंटेड खाद मिलाने पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री बीजेयूआर कार्यक्रम के तहत मिट्टी की जांच का जो व्यापक कार्यक्रम चलाया जा रहा है उसका उद्देश्य भी यही है कि खेत की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। अंधाधुंध उपयोग रोक कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखना है।

यह सबके संज्ञान में है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाऊ क्षमता प्रभावित हो रही है। भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है, वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है। जैविक विविधता प्रभावित हो रही है तो खेती के सहायक कीटनाशकों का अस्तित्व ही समाप्त होने को है। इसके अलावा खाद्यान्नों के विषैला होने व इन खाद्यान्नों के उपयोग से बीमारियों का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इतना सबकुछ होने के बावजूद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में दिन-प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। साल 2025-26 के आंकड़ों की ही बात करें तो यूरिया में 138 प्रतिशत, डीएपी के उपयोग में 94 प्रतिशत और एनपीके के उपयोग में 83 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में प्रधानमंत्री के आग्रह के निहितार्थ को समझना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आग्रह इस मायने में बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि सरकार देश की जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रही। अपितु गंभीर चिंतन की बात यह है कि हम परंपरागत खेती या जैविक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ी और जल-मिट्टी, वायु के प्रदूषण को कम करने में भागीदार बन सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत फर्मेंटेड खाद मिलाने से ही बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। 50 प्रतिशत तक आयात निर्भरता कम की जा सकती है। आज हम रुस, ओमान, सउदी अरब, मोरक्को, चीन आदि पर उर्वरकों के आयात के लिए निर्भर हैं। अरबों डालर आयात पर खर्च करके भी इसके जरिये हमें प्रदूषण और सेहत से खिलवाड़ मिल रहा है।

हालांकि आज अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आसन्न संकट को देखते हुए दूरदृष्टि पूर्ण 7 आग्रहों को प्रतिपक्ष आलोचना के स्तर पर ले रहा है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम प्रणाम कार्यक्रम जून 23 से चलाया जा रहा है तो पीएमबीजेयूआर कार्यक्रम जो कि खेत की मिट्टी की जांच से जुड़ा कार्यक्रम है, वह वर्षों से जारी है। इसके साथ ही आज कृषि वैज्ञानिक बार-बार आग्रह कर रहे हैं कि उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग घातक स्तर पर पहुंच रहा है। पंजाब और उससे सटते इलाकों में खेती के हालात बयां कर रहे हैं। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत कमी के आग्रह को सकारात्मक लिया जाना चाहिए। इस बहाने हमें खेती को सही दिशा देने का अवसर मिला है। खरीफ की बुवाई में ही इस पर अमल किया जा सकता है। खेती और पर्यावरण से जुड़े सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को प्रोएक्टिव रोल अपनाते हुए आगे आना होगा। यह एक अवसर मिला है और इस अवसर का सकारात्मक उपयोग को देश की खेती किसानी को नई दिशा दी जा सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

आइसक्रीम-कोल्डड्रिंक ठंडक नहीं, शरीर को गर्मी देते हैं, देसी पेय हैं बेहतर विकल्प

गर्मियों में लोग तेज धूप, पसीना और थकान से राहत के लिए इंस्टेंट कूलिंग देने वाली चीजें खाना-पीना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग ठंडा पानी, कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस और आइसक्रीम लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो चीजें तुरंत ठंडक देती हैं, वे असल में सेहत को नुकसान भी पहुंचाती हैं। कई 'कूलिंग फूड्स' डिहाइड्रेशन, डाइजेस्टिव इश्यू, मोटापा और डायबिटीज का रिस्क बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार कोल्ड ड्रिंक्स से तुरंत एनर्जी और रिफ्रेशमेंट मिलता है। हमें लगता है कि यह गर्मी में अच्छा कूलिंग ऑप्शन है। प्यास शांत हो जाती है। लेकिन इनसे ब्लड शुगर तुरंत स्पाइक होता है और इंसुलिन तेजी से रिलीज होता है। इससे थोड़ी देर बाद एनर्जी क्रैश और थकान हो सकती है। इसमें मौजूद कैफीन से डिहाइड्रेशन हो सकता है। कार्बन डाइऑक्साइड गैस से ब्लोटिंग, डकार और पेट फूलने की समस्या हो सकती है।

हाई शुगर और कैफीन शरीर के इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को प्रभावित कर सकते हैं। इसमें मौजूद आर्टिफिशियल फ्लेवर और कलर शरीर पर केमिकल लोड बढ़ा सकते हैं। ज्यादा शुगर और प्रोसेस्ड इंग्रेडिएंट्स लिवर पर एक्स्ट्रा प्रेशर डाल सकते हैं। तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाता है, जिससे इंसुलिन स्पाइक और फैट स्टोरेज बढ़ सकता है। लंबे समय में मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस और अन्य मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स का रिस्क बढ़ता है। वास्तव में असली कूलिंग फूड वही है, जो शरीर के अंदर तापमान संतुलित रखे, पाचन को सपोर्ट करे और पर्याप्त हाइड्रेशन दे। ऐसी चीज, जो प्राकृतिक हो। यानी जिसे फूड इंडस्ट्री नहीं बनाती। जो किसी कंपनी का प्रोडक्ट नहीं है। जो पैकेज्ड नहीं है। जो खेतों में उगा है।

जो हजारों किलोमीटर दूर नहीं पैदा हुआ। हमारे आसपास ही उसकी पैदावार होती है। हमारी भाषा में उसके लिए शब्द है। हमारे पुरखे उसे खाते रहे हैं। इनमे खीरा , तरबूज , नारियल पानी ,छाछ, दही , बेल का शरबत , नीबू पानी, पुदीना , ककड़ी और आम का पाना शामिल हैं। ही खानपान गर्मियों में हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और पाचन समस्याओं से बचाता है। इसके अलावा गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचें। बहुत गर्म समय में वर्कआउट न करें। इसके लिए सुबह या शाम का समय चुनें। एक्सरसाइज से पहले वार्म-अप और बाद में कूल-डाउन करें। रोज हल्की स्ट्रेचिंग करें। मसल्स फ्लेक्सिबल रहती हैं। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न रहें। ढीले और हल्के कपड़े पहनें। शरीर ठंडा रहता है। पर्याप्त नींद लें। इससे मसल्स रिकवरी बेहतर होती है। ज्यादा धूप या हीट एक्सपोजर से बचें। दर्द या थकान होने पर शरीर को आराम दें।

सुविचार

दिल के साफ लोग,
हर जगह से ठुकरा दिए
जाते हैं पार्थ...।
–अज्ञात

निशाना

नाच न जानें आँगन टेड़ा...!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

नाच ना जानें आँगन टेड़ा क्या कहिये,
बिन मेहनत के लड्डू-पेड़ा क्या कहिये,
लोगों को आपस में वे लड़वाते हैं,
रोज ही करते नया बखेड़ा क्या कहिये,
लगा मुखौटा लोगों को नित ठगते हैं,
पार हुआ है उनका बेड़ा क्या कहिये,
और फैसले सब होते उनके हक में,
सदा सबूतों को छेड़ा है क्या कहिये,
बागड़ ही खेतों को 'अमृत' ज़ब खाती,
आँख फोड़ता घर का गेड़ा क्या कहिये।

टेक्नो अपडेट

पुराना टीवी बनेगा स्मार्ट, एमेजॉन लाया सबसे स्लीक और फास्ट एचडी वाली फायर टीवी स्टिक

नॉन स्मार्ट टीवी को स्मार्ट बनाने के लिए टीवी स्टिक का उपयोग किया जाता है। एमेजॉन की 'फायर टीवी स्टिक' भारत में काफी लोकप्रिय हैं। मंगलवार को कंपनी ने नई Fire TV Stick HD को लॉन्च किया है। एमेजॉन ने बताया है कि यह उसकी अब तक की सबसे फास्ट और सबसे स्लिम एचडी स्ट्रीमिंग स्टिक है। इसे सीधे टीवी से कनेक्ट करके चलाया जा सकता है। पावर एडप्टर को सॉकेट बोर्ड में लगाने की जरूरत नहीं। एमेजॉन का यह भी कहना है कि नई Fire TV Stick HD पिछली जेनरेशन से 30 गुना फास्ट है यानी ऐप्स तेजी से ओपन होंगे।

नई Fire TV Stick HD के प्राइस 4,999 रुपये रखे गए हैं। यह Amazon.in के साथ-साथ क्विक-कॉमर्स ऐप्स जैसे- Blinkit, Swiggy Instamart, Zepto और Flipkart से खरीदी जा सकती है और जल्द रिटेल स्टोर्स पर भी बेची जाएगी। एमेजॉन के अनुसार, नई फायर टीवी स्टिक एचडी पिछली जेनरेशन से 30 गुना फास्ट है। इसका मतलब है कि टीवी में ऐप्स जल्दी ओपन होंगे और उनकी परफॉर्मेंस भी स्मूथ रहेगी। नई फायर टीवी स्टिक में Wi-Fi 6 और Full HD सपोर्ट दिया गया है। दावा है कि इंटरनेट स्लो होने पर भी वीडियो बिना रुके (लैग-फ्री) चलेगा।

यह एमेजॉन की अबतक की सबसे पोर्टेबल पोर्टेबल स्टिक है। इस रेंज के बाकी स्टिक्स से 30 फ़ीसदी पतली है। यह बिना एडप्टर के काम करती है। सीधे टीवी के स्क्रपोर्ट से ही पावर कनेक्ट हो जाती है।

नए फीचर्स से कंट्रोल होंगे ऐसी, गीजर: Fire TV Stick HD के बारे में बताया गया है कि इसका नया सॉफ्टवेयर पहले से अधिक ऑर्गनाइज्ड है। फिल्मों, टीवी शोज, फ्री और लाइव कंटेंट के लिए अलग-अलग कैटिगरी बनाई गई हैं। टीवी देखते हुए इस डिवाइस से घर के एलेक्सा (Alexa) से चलने वाले स्मार्ट एप्लायंसेज जैसे- AC, गीजर, पंखे और लाइट को कंट्रोल किया जा सकता है। इस डिवाइस में पहली बार क्लाउड गेमिंग का सपोर्ट दिया गया है। जिन घरों में अभी तक नॉन स्मार्ट टीवी है, वो लगभग 5 हजार रुपये की इस डिवाइस से स्मार्ट टीवी के मजे ले सकते हैं। अगर आपका स्मार्ट टीवी स्लो हो गया है और अच्छी तरह से परफॉर्म नहीं करता तो इस स्टिक के साथ आप अपने टीवी को फास्ट बना सकते हैं। अगर आप स्मार्ट टीवी में पैसा नहीं लगाना चाहते तो Fire TV Stick HD लेकर कम खर्च में अपने पुराने टीवी को ही स्मार्ट बना सकते हैं।

नॉलेज

कोलकाता से लंदन के लिए चलती थी बस 45 दिनों में पूरा होता था 11 देशों का सफर

आज हमें लंदन जाना हो तो हवाई जहाज से कुछ घंटों में पहुंच जाते हैं, लेकिन कल्पना कीजिए कि 60 साल पहले लोग कोलकाता से लंदन बस से जाते थे। जी हां, वो भी सड़क मार्ग से। यह दुनिया की सबसे लंबी बस सेवा थी, जो 1957 में शुरू हुई और 1976 तक चली थी। इस बस को 11 देशों से गुजरना पड़ता था और पूरा सफर पूरा करने में 45 से 50 दिन लग जाते थे। यह सेवा मुख्य रूप से Albert Tours या Indiaman जैसी कंपनियों द्वारा संचालित की जाती थी। यात्री यूरोप और एशिया के बीच सड़क मार्ग से यात्रा करते थे। इस रूट को बाद में 'हिप्पी ट्रेल' का हिस्सा भी माना जाने लगा था।

बस कोलकाता (तब कलकत्ता) से शुरू होकर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, तुर्की, बल्गारिया, यूगोस्लाविया, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, बेल्जियम होते हुए लंदन पहुंचती थी। कुल दूरी लगभग 16,000 किलोमीटर (10,000 मील) एक तरफ और राउंड ट्रिप में 32,000 किलोमीटर से ज्यादा थी। बस डबल डेकर या विशेष ओवरलैंड कोच होती थी, जिसमें स्लीपर बर्थ, किचन और बैठने की अच्छी व्यवस्था थी। यात्रियों को दिन में तीन समय का खाना और रात में ठहरने की सुविधा भी मुहैया कराई जाती थी, कई जगहों पर होटल या कैंप में रुकते थे।

उस समय का किराया आज के हिसाब से बेहद सस्ता लगता है। एक तरफ का सफर करीब 85 से 145 ब्रिटिश पाउंड में पूरा हो जाता था। इसमें खाना, रहना और यात्रा सब शामिल था। भारतीय रुपये में उस समय यह लगभग 2,500 से 3,000 रुपये के आसपास होता था। 1950 के दशक में हवाई यात्रा महंगी और सीमित थी। सड़क मार्ग से यात्रा सस्ती और रोमांचक थी। स्वतंत्र भारत और यूरोप के बीच लोगों का आना-जाना बढ़ रहा था। Albert Tours ने इस मांग को पहचाना और दुनिया की सबसे लंबी बस सेवा शुरू कर दी। पहली बस 1957 में लंदन से कलकत्ता पहुंची, जिसमें 50 दिन लगे थे।

यात्रा के दौरान के अनुभव: यात्री बताते थे कि सफर बेहद रोमांचक लेकिन थकाऊ भी था। रास्ते में पहाड़, रेगिस्तान, नदियां और अलग-अलग संस्कृतियों का सामना करना पड़ता था। अफगानिस्तान और ईरान के रेगिस्तानी इलाकों में बस अक्सर रुकती थी। यात्री स्थानीय बाजार घूमते, नई चीजें खाते और अलग-अलग लोगों से मिलते थे। कुछ बसों में किचन था, जहां कुक यात्रियों के लिए खाना बनाते थे। रात में बस कैंप में रुकती या पास के होटल में ठहराव होता था। यह यात्रा सिर्फ पहुंचने की नहीं, बल्कि अनुभव इकट्ठा करने की भी थी।

सड़क पर सुगम यातायात बनाने निगम ने क्रेन सहित कर्मचारी दिए, चेंकिंग अभियान की वसूली में लगाया

रोड की पटरी खाली करवाने निगम ने दिए कर्मचारी यातायात पुलिस हेलमेट चेकिंग में पकड़वा रही वाहन

सतना। दोपहर मेट्रो

शहर की बेपटरी हो चुकी यातायात व्यवस्था को लेकर सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात पुलिस की ओर से मैन-पावर की कमी बताई गई थी। अन्य व्यवस्थाएं नहीं होने का भी हवाला दिया गया था। तब कलेक्टर और सांसद ने इस संबंध में निगम को सहयोग करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद शहर में सुगम यातायात की मुहिम की के लिए नगर निगम ने अपने अतिक्रमण दस्ते 4 कर्मचारी सहित वाहन यातायात पुलिस को दिए थे। इसके साथ ही इन वाहनों का डीजल भी निगम दे रहा है। लेकिन अब स्थिति यह है कि यातायात पुलिस सड़क का अतिक्रमण हटाने की जगह इन कर्मचारियों का उपयोग हेलमेट चेकिंग के दौरान वाहनों को पकड़ने में कर रही है।

इन दिनों शहर की सड़कों पर एक बार फिर वाहन खड़े होने शुरू हो गए हैं, सड़क की पटरी पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जा होने लगा है। लेकिन इस अस्थाई अतिक्रमण को हटाने में यातायात पुलिस की कोई रुचि नहीं है। जबकि इसके लिए बकायदे नगर निगम ने कर्मचारी, वाहन और डीजल नियमित तौर पर ले रही है। यातायात पुलिस अब नगर निगम के इन कर्मचारियों को कोठी तिराहे सहित अन्य स्थानों पर नियमित तौर पर होने वाली हेलमेट चेकिंग के काम में लगा रही है। निगम के कर्मचारियों को यह ड्यूटी दी गई है कि दो पहिया वाहनों को रोकें और यातायात पुलिस के सामने वाहन चालक को ले जाएं। ऐसे में न केवल इन कर्मचारियों की उपलब्धता का यातायात पुलिस दुरुपयोग कर रही है बल्कि सुगम यातायात के प्रबंधन को हाशिए पर रख दिया गया है।

सुगम यातायात व्यवस्था बनाने के नाम पर नगर निगम ने अतिक्रमण दस्ते के चार मस्टर कर्मी और एक वाहन चालक यातायात पुलिस को सौंपा था। इसके अलावा एक हाइड्रोलिक क्रेन और एक ट्रक दिया गया था। क्रेन का इस्तेमाल सड़क पर खड़े वाहनों को उठाने सहित सड़क की पटरी का अतिक्रमण हटाने में उपयोग किया जाना था। इसी तरह ट्रक का उपयोग सड़क पर यातायात बाधित करने वाले दो पहिया वाहनों को लोड करके यातायात थाने पहुंचाना था। मस्टर कर्मियों का काम वाहनों को लोड कराने सहित अतिक्रमण हटाने में सहयोग करना था। इतना ही नहीं नगर निगम इसके लिए यातायात पुलिस की डिमांड पर 200 से 250 लीटर डीजल भी प्रदान करता है। लेकिन इस व्यवस्था के नाम पर निगम के खजाने से पैसा तो लगातार जा रहा है लेकिन परिणाम शून्य है। तत्कालीन एसपी आशुतोष गुप्ता ने शहर की यातायात व्यवस्था को सही रखने यातायात पुलिस की कमान कस रखी थी। सड़क पर जाम लगते ही यातायात पुलिस के अधिकारी तलब हो जाते थे। लेकिन अब तो हाल यह है कि जाम लगता रहता है किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। सड़क की पटरी से अतिक्रमण हटाने यातायात पुलिस के प्रभारी को महीनों से सुगम यातायात की दिशा में नहीं देखा गया। जो थोडा बहुत खानापूर्ति निगम का अमला करता रहता था वह भी अब बाइक पकड़ने में लगा दिया गया। शहर के बेपटरी हो रखे यातायात की फिक्र किसी को नहीं है।

अनाधिकार बीच सड़क में वसूली के लिए रोके जाते हैं इस तरह भारवाहक वाहन

नगर निगम के पास समस्या था कि उनके पास अमला था लेकिन वाहनों पर चालानी कार्यवाही करने के अधिकार नहीं थे। यातायात पुलिस के पास समस्या थी कि उनके पास अधिकार थे लेकिन बल नहीं था। लिहाजा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में तय किया गया कि निगम के कर्मचारी और वाहन देकर सुगम यातायात व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके लिए रीवा रोड, स्टेशन रोड, जिला अस्पताल के सामने, कन्या महाविद्यालय के सामने सहित शहर के अन्य यातायात बाधित स्थलों पर यह टीम सतत निगरानी करेगी और अतिक्रमण व अन्य बाधा हटाकर सुगम यातायात मुहैया कराएगी। लेकिन स्थिति यह हो गई है कि पूरा बल और वाहन हेलमेट चेकिंग की चालानी कार्यवाही में लगा दिया गया है और रीवा रोड, स्टेशन रोड, अस्पताल के सामने सहित अन्य स्थलों पर सड़कों पर फिर से वाहन खड़े होने लगे हैं और यातायात प्रभावित होने लगा है।

721 साल का इंतजार खत्म

भोजशाला में पहली बार होगी भव्य महाआरती

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर धार में स्थित राजा भोज द्वारा निर्मित माँ सरस्वती मंदिर भोजशाला में आगामी शुक्रवार एक नया इतिहास रचने जा रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षणकी नई गाइडलाइन और इंदौर उच्च न्यायालय के हालिया फैसले के बाद, आगामी 22 मई 2026 को हिंदू समाज भोजशाला परिसर में पूर्ण स्वाभिमान के साथ प्रवेश करेगा और भव्य महाआरती का आयोजन करेगा। लगभग 721 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यह पहला मौका होगा जब शुक्रवार के दिन हिंदू समाज को यहाँ अधिकारपूर्वक पूजन-अर्चन का अवसर मिल रहा है। आयोजन को लेकर आयोजित एक पत्र परिषद में जानकारी देते हुए हिंदू नेता अशोक जैन ने इसके ऐतिहासिक संदर्भों पर प्रकाश डाला। बताया कि ÷राजा भोज द्वारा निर्मित इस पवित्र माँ सरस्वती मंदिर को साल 1305 ईस्वी में मुगल आक्रांता अलाउद्दीन खिलजी ने अपवित्र कर इस पर कब्ज़ा कर लिया था। तभी से हिंदू समाज इस मंदिर की मुक्ति और यहाँ दोबारा पूजन-अर्चन शुरू करने के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा था।÷ उन्होंने आगे कहा कि समय-समय पर कई महापुरुषों ने इस संकल्प को जीवित रखा, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। आंदोलन से जुड़े दीपक बिडकर और सोनू गायकवाड़ ने बताया कि साल 1997 में भोजशाला की मुक्ति और इसके गौरव की पुनर्स्थापना के लिए स्वाभिमानी आंदोलनकर्ताओं ने एक बड़ा अभियान शुरू किया था। इस अभियान को कानूनी रूप से बड़ी सफलता तब मिली जब 15 मई 2026 शुक्रवार को उच्च न्यायालय इंदौर ने इस पर अपनी अंतिम मुहर लगा दी। हिंदू नेता जैन के अनुसार इसे एक दैवीय संयोग बताते हुए कहा कि न्यायालय का यह अंतिम फैसला भी शुक्रवार के दिन ही आया, जिससे यह सिद्ध होता है कि यह स्वयं माता की ही इच्छा थी। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद पुरातत्व विभाग ने परिसर का नामकरण बदलते हुए केवल भोजशाला कर दिया है और कमाल मौला मस्जिद का नाम वहाँ से हट चुका है। हिंदू नेता अशोक जैन के अनुसार हिंदू समाज ने इस ऐतिहासिक दिन को भव्य बनाने के लिए अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यदि कोई कानूनी या न्यायालयीन अड़चन सामने नहीं आती है, तो सकल हिंदू समाज के सभी लोग शहर के धानमंडी चौराहे पर एकत्रित होंगे।

जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गए युवक पर भालू का हमला

सिवनी। दोपहर मेट्रो

दक्षिण सामान्य वन मंडल अंतर्गत कुरई परिक्षेत्र में सोमवार सुबह भालू के हमले में एक युवक घायल हो गया। हालत गंभीर होने पर उसे नागपुर रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार बाबई निवासी सुनील निवारे (38) सुबह लगभग 10 बजे तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गए हुए थे। इसी दौरान अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में सुनील निवारे को गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और घायल को तत्काल कुरई उपस्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। परिक्षेत्र अधिकारी राहुल धारू ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने घायल की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए नागपुर रेफर किया है। वन विभाग द्वारा मामले की निगरानी की जा रही है।

सिवनी के सामान्य वन परिक्षेत्र के गोपालगंज सर्किल अंतर्गत ग्राम पलारी स्थित शनि मंदिर के पास वन विभाग की टीम ने सोमवार सुबह गश्त के दौरान एक पिकअप वाहन से बड़ी मात्रा में कथित जलाऊ लकड़ी जब्त कर कार्रवाई की। वन विभाग के अनुसार यह सामग्री विलुप्त प्रजाति से संबंधित बताई जा रही है और उसका अवैध परिवहन किया जा रहा था। उपवन क्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक गोपालगंज हरवेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि पलारी शनि मंदिर से नेशनल हाईवे-44 मार्ग पर स्थित मंदिर के पास गश्त के दौरान पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। वाहन में बड़ी मात्रा में लकड़ी भरी हुई थी। वनकर्मियों द्वारा वाहन चालक से वैधानिक दस्तावेज मांगे गए, लेकिन मौके पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद वन विभाग ने वाहन सहित सामग्री को जब्त कर लिया। वन विभाग ने बताया कि जंगल एवं निजी राजस्व भूमि से अवैध रूप से लकड़ी कटाई और अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में उपवन क्षेत्रपाल हरवेंद्र सिंह बघेल, वनरक्षक एवं बीट प्रभारी गुरु प्रसाद जंघेला, कार्यवाहक वनपाल कपिल सनोडिया तथा शिवलाल काकोडिया की विशेष भूमिका रही। वन अधिकारियों ने किसानों और ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने खेतों एवं बाड़ियों में स्थित वृक्षों की कटाई बिना अनुमति किसी व्यापारी से न करवाएं और न ही बेचें। यदि अवैध रूप से वृक्ष कटाई करवाई जाती है तो संबंधित कृषकों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि कुछ व्यापारी कम दाम में वृक्ष खरीदकर अवैध कटाई करवाते हैं, जिससे पर्यावरण असंतुलन की स्थिति उत्पन्न होती है।

घेराबंदी कर पकड़ी स्कॉर्पियो, 24 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध मदिरा के परिवहन और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत देर रात एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। विभाग की टीम ने इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित जेतपुरा फाटा पर घेराबंदी कर एक स्कॉर्पियो वाहन से 24 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। जब्त की गई शराब और वाहन की कुल अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 70 हजार रुपए आंकी गई है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

जानकारी के अनुसार, कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेशानुसार और सहायक आबकारी आयुक्त राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में आबकारी की टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिनेश उदेनिया के नेतृत्व वाली टीम को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि इंदौर की ओर से एक महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन (क्रमांक एमपी-11 बीई-0572) में अवैध शराब भरकर धार की तरफ लाई जा रही है। सूचना मिलते ही तत्परता दिखाते हुए आबकारी टीम ने जेतपुरा फाटा क्षेत्र में मोर्चा संभाला और घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। जब टीम ने रोकी गई स्कॉर्पियो की बारीकी से तलाशी ली, तो उसमें से %दबंग कैन बीयर% की 24 पेटियां बरामद हुईं। विभाग ने वाहन से कुल 276 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जब्त की है। आबकारी अधिकारियों ने बताया कि मामले में अज्ञात फरार आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। आबकारी विभाग के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई नवीन वैधानिक प्रक्रिया के तहत अंजाम दी गई। निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कार्रवाई के दौरान बकायदा वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई। इस सफल कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक राजकुमार शुक्ला, मुख्य आरक्षक कैलाश बघेल, आरक्षक रामसिंह बामनिया, राजेन्द्र पवार, आशीष माली और पवन ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने साफ संदेश दिया है कि जिले में अवैध शराब के सिंडिकेट को पनपने नहीं दिया जाएगा। परिवहन और बिक्री के खिलाफ यह विशेष अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती से जारी रहेगा।

अपेक्स बैंक प्रशासक ने दिया ऊर्जा बचने का सन्देश

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

अपेक्स बैंक के प्रशासक महेन्द्र सिंह जी यादव ने वर्तमान में चल रहे वैश्विक उर्जा संकट के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री व्दारा राष्ट्र हित में नागरिकों से किये गये अनुरोध का उल्लेख करते हुए सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र से जुडे समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ईंधन बचाओ-उर्जा बचाओ की अपील की। एवं साथ ही स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु वोकल फॉर लोकल अभियान को सशक्त बनाने का संदेश दिया गया।

बैंक की समीक्षा बैठक में यादव द्वारा बी-पैक्स संस्थाओं की वर्ष 2026-27 वित्तीय वर्ष समाप्ति पर आयोजित होने वाली वार्षिक आमसभा में चयनित न्यूनतम 10 सदस्य किसानों को सम्मानित किये जाने हेतु सुझाव दिया गया। बैठक में विषयवार समीक्षा करते हुए प्रबंध संचालक मनोज कुमार गुप्ता द्वारा पैक्स् के माध्यम से उज्जैन संभाग में चलाये जा रहे सदस्यनता महाभियान की जानकारी की समीक्षा की गई, जिसमें उज्जैन जिला सहकारी केन्द्रीय

बैंक द्वारा सदस्यता अभियान में किये जा रहे प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। जिला बैंक उज्जैन द्वारा पूरे म.प्र. में सर्वाधिक अंशपूंजी लगभग 50लाख अब तक जमा की जा चुकी है। वर्ष 2025-26 में वितरित अल्पावधि फसल ऋण के विरूध्द सर्वाधिक वसूली पूरे संभाग में जिला बैंक देवास व्दारा की गई है। इस हेतु सभी बैंकों को निर्देश दिये गये कि वे अधिक से अधिक वसूली करें जिससे जिला बैंकों की वित्तीय स्थिति सुदढ हो। इसी प्रकार ऋण वितरण भी अधिक से अधिक किये जाने के निर्देश दिये गये जिससे जिला बैंकों के साथ-साथ पैक्स के व्यवसाय में अधिक से अधिक वृद्धि हो।

एमपी की बेटी के साथ यूपी में दरिंदगी की सारी हदें पार

छात्रा को हर दो घंटे में दिया नशीला इंजेक्शन, बार-बार किया गैंग रेप

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

उत्तरप्रदेश के महोबा जिले में नीट की तैयारी कर रही 25 वर्षीय छात्रा के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोपियों ने छात्रा का अपहरण कर 16 दिन तक बंधक बनाए रखा। बार-बार सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर सिगरेट के जलते टुकड़ों से दागा। चाकू से लहूलुहान किया।

मूलतः मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र की छात्रा महोबा में नीट की कोचिंग कर रही थी। 30 अप्रेल को कोचिंग से लौटते समय कार सवार बदमाशों ने अगवा कर लिया। छात्रा की मां ने महोबा पुलिस में मोहित श्रीवास समेत कुछ अन्य के खिलाफ अपहरण की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि उसके ही गांव का मोहित अपने साथियों अंकित श्रीवास, हल्लू राजपूत और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर उसे महोबा से प्रयागराज ले गया। वहां गुप्त स्थान पर रखा। हर दो घंटे में नशीले इंजेक्शन दिए गए, ताकि वह विरोध न कर सके। इसी हालत में मोहित ने बार-बार रेप किया। होश आने पर विरोध किया तो, आरोपियों ने उसे सिगरेट से दागा। इस मामले पर अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है कि 1 मई छतरपुर निवासी महिला ने अपनी 25 वर्षीय बेटी की गुमशुदगी की सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और चार टीमों का गठन किया। टीमों के सार्थक प्रयास से 16 मई को युवती को सकुशल बरामद कर लिया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। अब आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अब इस पर सियासत भी गरमा गई है। मामले में कांग्रेस ने सरकार को घेर लिया है। कांग्रेस के प्रदेश सचिव ब्रजराज सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर पार्टी इस घटना पर नजर बनाए हुए है। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी पीड़िता से फोन पर बात की है। कांग्रेस ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और पीड़िता को बेहतर इलाज देने की मांग की है। साथ ही ऐलान किया कि कांग्रेस का एक प्रांतीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पीड़िता से मिलने महोबा पहुंचेगा। बताया जा रहा है कि पीड़िता इस समय काफी डरी हुई है और सदमे में है। डॉक्टरों की टीम उसकी देखरेख में जुटी है। छात्रा की एमएलसी जांच कराई जा चुकी है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।साक्ष्यों और पीड़िता के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता को भाई की फोटो दिखाकर दी जान से मारने की धमकी

आरोपियों ने पीड़िता को भाई की फोटो दिखाकर उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले में यह भी सामने आया है कि आरोपी मोहित ने उससे जबरन शादी भी रचाई। पीड़िता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इंसाफ की गुहार लगाई है। उसने मांग की है कि दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। दिल दहला देने वाली इस घटना के बाद पूरे इलाके में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। पीड़िता की हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

सरकारी नौकरी दिलाएगा यह सब्जेक्ट, फिजिक्स-केमिस्ट्री छोड़ रहे स्टूडेंट

गुना। दोपहर मेट्रो

12वीं तक फिजिक्स-केमिस्ट्री पढ़ी, अब पॉलिटिकल साइंस क्यों? ये सवाल प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस गुना में उन 80 स्टूडेंट्स से पूछा गया जो 12वीं के बाद विषय बदलकर एडमिशन लेना चाहते हैं। कॉलेज में इसके लिए स्पेशल इंटरव्यू आयोजित किए गए। विषय बदलने वाले छात्रों की योग्यता और कारण परखने के लिए प्रोफेसरों की कमेटी बैठी। अधिकांश ने प्रतियोगी परीक्षा यूपीएससी, एमपी पीएससी, एसएससी को विषय बदलने की वजह बताई। छात्रों का तर्क था कि कला संकाय के सब्जेक्ट जनरल स्टडीज में मदद करते हैं, साइंस का स्कोरिंग प्रेशर नहीं रहता। उच्च शिक्षा विभाग के नियमानुसार, अगर स्टूडेंट ने सीयूइटी दिया है तो उसे विषय बदलने के लिए इंटरव्यू नहीं देना पड़ता। इसमें सीधे मेरिट से एडमिशन का प्रावधान है लेकिन बिना सीयूइटी वाले स्टूडेंट्स को इंटरव्यू से गुजरना पड़ा। विशेषज्ञों के अनुसार स्विचिंग के जहां अनेक लाभ हैं वहीं कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। कला संकाय को स्कोरिंग माना जाता है।

मेट्रो एंकर

रेडक्रॉस शिविर को लेकर बैठक आयोजित

स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर को लेकर अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा विदिशा द्वारा आगामी 29 मई 2026 को मानस भवन, पुराने मेला ग्राउंड में आयोजित होने वाले विशाल निशुल्क स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर को लेकर शासकीय टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम अनुभा जैन एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा विदिशा के सचिव संदीप उदयवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शिविर के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, नगर पालिका सीएमओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसडीएम अनुभा जैन ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर शिविर को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आग्रह किया। वहीं रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव संदीप उदयवाल ने कहा कि यह शिविर सेवा एवं मानवता की भावना से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जरूरतमंद लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी एवं जिला रेडक्रॉस सदस्य ऋषि जालोरी, समाजसेवी सीएम साहू, जे.के. हॉस्पिटल भोपाल से डिप्टी एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर भूपेंद्र सिंह बघेल, पीआरओ दीपक सोनी, समाजसेवी लालचंद कुशवाह एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य एवं पत्रकार ओमप्रकाश चौरसिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से शिविर में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं जरूरतमंद नागरिकों तक सेवा कार्य पहुंचाने का आग्रह किया गया।

बड़े मंगल पर बजरंगबली का श्रृंगार संकीर्तन और दीपदान से गूंजे मंदिर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नगर इन दिनों पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा हुआ है। मंदिरों में दीपदान, भजन-कीर्तन और संकीर्तन के आयोजन लगातार जारी हैं। जेठ के बड़े मंगल पर नगर के नौलखी मंदिर, चक हनुमान मंदिर सहित विभिन्न देवालयों में बजरंगबली का आकर्षक एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। फूलों, दीपों और रंग-बिरंगी सजावट से सजे मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किया गया जप, तप, दान, संकीर्तन और प्रभु स्मरण विशेष पुण्य प्रदान करता है। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन दिनों तीर्थ स्थलों की ओर भी प्रस्थान कर रहे हैं। विशेष रूप से ब्रज क्षेत्र की परिक्रमा का महत्व अधिक बढ़ जाता है। श्रद्धालु वृंदावन, गोवर्धन और मथुरा पहुंचकर गिरिराज परिक्रमा, राधा-कृष्ण दर्शन और संकीर्तन में भाग ले रहे हैं। नगर के प्रसिद्ध नौलखी मंदिर में पिछले सात वर्षों से प्रतिदिन शाम को एक घंटे का सीताराम संकीर्तन निरंतर आयोजित किया जा रहा है। बिना किसी विराम के वर्षों से चल रही यह परंपरा अब श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुकी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचकर सीताराम सीताराम के अखंड जाप में शामिल होकर भक्ति रस में सराबोर हो रहे हैं। मंगलवार को बड़े मंगल के अवसर पर विशेष भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।

न्यूज विंडो

कान्हा टाइगर रिजर्व में मृत मिला महावीर बाघ, जांच शुरू

मंडला। मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत मुक्की परिक्षेत्र की मोहगांव बीट में सुबह एक नर बाघ का शव मिला। मृत बाघ की पहचान टी-220% (महावीर मेल) के रूप में हुई है। गश्ती दल ने बाघ को अस्वस्थ हालत में देखा था, जिसके कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर कान्हा प्रबंधन और वन विभाग के अधिकारियों ने एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत जांच शुरू की।

कटनी को अपराध मुक्त करने पुलिस ने आधुनिक तकनीक अपनाई

कटनी। जिले में बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कटनी पुलिस अब पारंपरिक जांच पद्धति को छोड़कर आधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अपराधियों का एक व्यापक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य डकैती, लूट, चोरी, अपहरण, बलात्कार, अवैध हथियारों व मादक पदार्थों की तस्करी, पशु क्रूरता और साइबर फ्रॉड जैसे गंभीर मामलों पर अंकुश लगाना है।

ग्रामीणों ने पेयजल संकट को लेकर मुड़की मार्ग पर किया चक्काजाम

डिंडोरी। जिले के देवरा गांव में ग्रामीणों ने पेयजल समस्या और ठेकेदार के कथित अभद्र व्यवहार के विरोध में मुड़की मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीणों ने पीएचई विभाग के ठेकेदार सुरेंद्र ओझा पर अभद्रता का आरोप लगाया। उन्होंने दौरे पर आईं पीएचई मंत्री संपतिया उइके से भी शिकायत की, जिसके बाद मंत्री ने अधिकारियों को ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत इमलीडोल एवं हाथीडोल में गहराया जल संकट

कई किमी दूर से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से लगभग 12 किमी दूर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमलीडोल एवं इसके अंतर्गत आने वाले ग्राम हाथीडोल में इन दिनों भीषण जल संकट की स्थिति बनी हुई है। दोनों गांवों के ग्रामीण पेयजल की भारी समस्या से जूझ रहे हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि लोगों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यहां सतधरू योजना फेल है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान की मांग की है। ग्राम इमलीडोल में लगभग डेढ़ सौ परिवारों के लिए केवल एक हैंडपंप ही पानी का सहारा बचा हुआ है। भीषण गर्मी के बीच सुबह से देर रात तक लोग पानी भरने के लिए कतार में खड़े रहते हैं। महिलाओं और बच्चों को सुबह-सुबह नंबर लगाकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि जल जीवन मिशन के तहत होने वाली पानी सप्लाई लगातार आठ-आठ दिनों तक बंद रहती है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। गांव में अन्य कोई वैकल्पिक जल स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण सभी परिवार इसी एक हैंडपंप पर निर्भर हैं। गांव के निवासी भागसिंह ठाकुर, हल्की भाई, प्रेमवती, अभिलाष एवं राजरानी ने बताया कि पानी की समस्या के कारण दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। पीने के पानी के साथ-साथ घरेलू कार्यों के लिए भी लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। वहीं ग्राम पंचायत के ग्राम हाथीडोल की स्थिति इससे भी अधिक गंभीर बनी हुई है। गांव में विद्यालय स्थित होने के बावजूद वहां एक भी हैंडपंप उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण निजी बोर और निजी बसाहटों से पानी लाने को मजबूर हैं। जब निजी बोर भी जवाब दे देते हैं, तब पूरे गांव के लोग लगभग 3 किलोमीटर दूर स्थित हेमहाऊ झिरिया से पानी लाकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में संचालित नल-जल एवं अन्य पेयजल योजनाएं पूरी तरह फेल साबित हो रही हैं। कभी 10 दिन मै ,15 दिन में तो कभी 20 दिन में पानी पहुंचता है पानी की टंकी शोपीस है गांव के जवाहर सिंह, कौशल्या, मनीषा, प्रीति, ललिता बाई एवं बबलू सहने ने बताया कि महीने में केवल एक-दो बार ही पानी की सप्लाई हो पाती है, वह भी भगवान भरोसे।

वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

ग्रामीणों के अनुसार इस संबंध में जबेरा तेंदूखेड़ा जलप्र विदाय विभाग के अधिकारियों से कई बार चर्चा की गई, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां पानी पहुंचाने में काफी दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी समस्याओं का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि दोनों गांवों में तत्काल वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, नए हैंडपंप लगाए जाएं तथा जल जीवन मिशन की नियमित सप्लाई बहाल की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में जल संकट और गहरा सकता है।

जिम्मेदार बोले- मैं तत्काल दिखवाता हूं

इस संबंध में प्रबंधक जनसहभागिता दमोह मनोज राज से बात की गई तो उनका कहना था कि ऐसी जानकारी तो मेरे पास नहीं है। किसी ग्राम में पानी नहीं पहुंच रहा है लेकिन आपके द्वारा इस संबंध में मुझे बताया गया है। मैं तत्काल ही दिखवाता हूं कि क्या समस्या है। पानी क्यों नहीं पहुंच रहा है।

न हो रहवासियों को परेशानी

जल निगम के सहायक प्रबंधक भरत विश्वकर्मा ने बताया कि मैं बुधवार को ही इमलीडोल,हाथीडोल ग्राम पहुंचकर वहां की समस्या का समाधान करवाता हूं ताकि किसी को गर्मी में पानी की परेशानी ना हो। इस संबंध में जनपद सीईओ मनीष बागरी ने कहा कि तुरंत ही जल मिशन के कर्मचारी एवं अधिकारियों से बात करके उनको इमलीडोल पहुंचाता हूं पेयजल के लिए ग्रामीणों को कोई भी परेशानी नहीं होने दूंगा।

बाइक चोर गिरोह के 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

कुक्षी। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कुक्षी पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 3 मोटरसाइकिलें जप्त की गई हैं, जिनकी कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जिला जेल अलीराजपुर भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादी सहदेव निवासी बड़पुरा कुक्षी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मई की रात करीब 11 बजे उन्होंने अपनी होंडा शाइन बाइक एमपी 11 एनबी 9628 घर के सामने जंजीर और ताला लगाकर खड़ी की थी। अगली सुबह 6 बजे उठकर देखा तो बाइक गायब थी। उसी रात चोरों ने बड़पुरा में ही रहने वाले नूर मोहम्मद के दामाद शाहरूख शेख की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल एमपी 46 जेडए 7861 पर भी हाथ साफ कर दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर कुक्षी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। चोरी की बढ़ती वारदातों को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में एक विशेष गश्ती टीम का गठन किया गया था। टीम की मुस्तैदी और सक्रियता के चलते कस्बा कुक्षी से दोनों आरोपियों थानसिंह उर्फ थानिया पिता कलमसिंह डावर और धर्मेन्द्र पिता रतन निवासी टांडा को घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कुल 3 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। जिसमें होंडा शाइन एमपी 09 बीटी 2955, स्प्लेंडर प्लस एमपी 46 जेडए 7861, होंडा शाइन एमपी 11 एनबी 9628 को जप्त किया है।

उक्त बाइक चोरी की वारदात के खुलासे में कुक्षी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, थाना टांडा प्रभारी निरीक्षक संजय रावत व उनकी टीम, उपनिरीक्षक हुकुमचन्द पिपल्या, सहायक उपनिरीक्षक चंचलसिंह चौहान, प्रधान आरक्षक जगनसिंह, सतिश, प्रमोद, नितिन कौशल और आरक्षक सोनू चौहान, संदीप व शाहदर की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

तेंदूपत्ता तोड़ रहे एक युवक पर बाघ ने किया जानलेवा हमला

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के वन विकास निगम लामता प्रोजेक्ट के चमरवाही बीट में बाघ ने तेंदूपत्ता संग्रहण कर रहे एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। बाघ झाड़ियों में छिपा था और उसने अचानक ग्रामीण की गर्दन दबोच ली। इस दौरान साथ मौजूद महिलाओं के शोर मचाने पर बाघ उसे करीब एक किलोमीटर दूर नाले के पास घसीट ले गया। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने लालबर्रा मुख्य मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

अपराधियों पर चला उमरावगंज पुलिस का डंडा

9 शराब तस्कर और 2 सटोरिए धरे, 3 स्थाई वारंटी भी गिरफ्तार

औबेदुल्लागंज/उमरावगंज। दोपहर मेट्रो

अपराधियों और अवैध कारोबारियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत उमरावगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 1 मई से 15 मई तक चले इस 15 दिवसीय विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए दर्जनों आदतन अपराधियों पर नकेल कसी है। अभियान के दौरान उमरावगंज पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त कुल 9 अपराधियों को धरदबोचा।

इनके पास से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा सट्टे की खाईबाजी करने वाले 2 आरोपियों को भी सट्टा एक्ट के तहत गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चिकलौद रोड स्थित महाकाल ढाबा पर औचक दबिश दी। यहाँ ढाबे की आड़ में अवैध रूप से शराब बेचते पाए जाने पर ढाबा संचालक भगवान सिंह राजपूत के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी की दो टूक कहाँ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी ढाबा संचालकों को सख्त हिदायत दी है कि यदि किसी भी ढाबे पर अवैध शराब या किसी भी तरह का नशा परोसा या बेचा गया, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 49 आदतन अपराधियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इन सभी के प्रकरण बाउंडओवर (जमानत मुचलका) की कार्रवाई के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष भेजे गए हैं। वहीं, पुलिस ने कानून को ठेंगा दिखाकर वर्षों से फरार चल रहे 3 स्थाई वारंटियों को भी घेराबंदी कर गिरफ्तार किया और उन्हें माननीय न्यायालय में पेश किया।

अपराधियों पर कार्रवाई के साथ-साथ उमरावगंज पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर भी गंभीरता दिखाई। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 120 चालान काटे और आम जनता को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। पुलिस की इस चौतरफा कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पांदुर्णा रेलवे स्टेशन के समीप युवक चलती ट्रेन से नीचे गिरा

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा रेलवे स्टेशन के समीप देर रात को यशवंतपुरम एक्सप्रेस से एक युवक चलती ट्रेन से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रुद्रपुर गांव निवासी बच्चेलाल के रूप में हुई है। बताया गया है कि वह किसी दुकान में काम करता है और ट्रेन से यात्रा कर रहा था। बच्चेलाल ने बताया कि वह ट्रेन के गेट के पास बैठा था। यात्रा के दौरान उसे नींद की झपकी आ गई, जिससे उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा।

हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के सालीचौका स्थित जनक वेयरहाउस खरीदी केंद्र पर परिवहन व्यवस्था ठप होने से गेहूं की खरीदी और तुलाई का कार्य प्रभावित हो गया है। समय पर ट्रकों की उपलब्धता न होने के कारण हजारों क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी में अपनी उपज लेकर आए किसान तुलाई के इंतजार में परेशान हो रहे हैं। किसानों को जिला प्रशासन की व्यवस्था को लेकर आक्रोश जाहिर हो रहा है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला.अनूपपुर (म0प्र0)

Phone Fax No. 07658-164242 , E-mail: emobijuriampurban.gov.in,

क्र. 2218/न.पा./लो.नि./2026 बिजुरी, दिनांक 07/05/2026

ई.निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा पंजीकृत फर्म /ठेकेदार को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य हेतु निकाय द्वारा आयटम रेट आधारित ई-निविदाएं आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई– निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_505369_1	InvitingRateofContract for Flex Materials for various events and programs at Municipal CouncilBijurifor Year 2026-27	40.00 लाख	30000.0	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
2	2026_UAD_505292_1	Inviting Rate of Contractfor Construction Related Maintenance Materials at MunicipalCouncilBijuri forYear2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
3	2026_UAD_505239_1	InvitingRateofContract forCleaningMaterials at Municipal Council Bijuri forYear 2026-27	50.00 लाख	37500.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
4	2026_UAD_505295_1	Inviting Rate of ContractforElectrical Materials for all Electrical Maintenance workatMunicipalCouncil BijuriforYear2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
5	2026_UAD_505122_1	Inviting Rate of Contractfor Handpump Materialsfor all Handpump Maintenance work at MunicipalCouncilBijuri forYear2026-27	50.00 लाख	37500.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
6	2026_UAD_505289_1	Inviting Rate of Contractfor Motor Pumps repair Works for all types of motor pumps available at MunicipalCouncilBijuri forYear2026-27	40.00 लाख	30000.0	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
7	2026_UAD_505293_1	InvitingRateofContractfor Supplyof Varioustypesof motor pumps for water supplyworkatMunicipal Council Bijuri for Year 2026-27	50.00 लाख	37500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
8	2026_UAD_505294_1	InvitingRateofContract for Tent Materials at Municipal Council Bijuri forYear 2026-27	40.00 लाख	30000.00	5000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
9	2026_UAD_505105_1	Inviting Rate of Contractfor Water Purification Material at Municipal Council Bijuri forYear 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)
10	2026_UAD_505113_1	Inviting Rate of Contractfor Water Supply Materials for all Water Supply Maintenance work at Municipal Council Bijuri forYear 2026-27	90.00 लाख	67500.00	10000.00	08-06-2026 (17:30 HRS)

1.निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी पेब साईट (https://mptentlers.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है। 2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी ID DATA SHEET 4 "KEY DATES" में देखी जा सकती है ।3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा समाचार पत्र में नहीं

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला.अनूपपुर (म0प्र0)

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला.अनूपपुर (म0प्र0)

Phone Fax No. 07658-164242 , E-mail: emobijuriampurban.gov.in,

क्र. 2214/न.पा./लो.नि./2026 बिजुरी, दिनांक 06/05/2026

ई.निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई.निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र.	ई– निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UAD_504677_1	Construction of WATER PARK including plantationelectrification,fountain,pathway,watertower,irregularpoolwithslides,wave pool filtration system, artificial beach and Boundarywall	2097.32 लाख	1048660.0	50000.00	05-06-2026 (17:30 HRS)
2	2026_UAD_504707_1	Construction of SwimmingPoolincluding filtration and electrification work , sanitation work,Boundary wall, Approah road, Pathway, Drain , Entrance gate, Club House , Restaurent, Landscaping And OutdoorLighting.	2112.77 लाख	1056385.00	50000.00	05-06-2026 (17:30 HRS)
3	2026_UAD_504678_1	Construction of Outdoor Stadium and Rain Dance Including Campusinternal CC roads, Electrification work, Drain,cyclingStand,Shed , BoundaryWall,running Track,Land Scaping.	2446.04 लाख	1223020.00	50000.00	05-06-2026 (17:30 HRS)
4	2026_UAD_504708_1	Construction of Community Hall includinggardenarea, electrification, Parking area, internal CCroad,Fountain and Boundarywall	1347.77 लाख	673885.00	50000.00	05-06-2026 (17:30 HRS)

1.निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी पेब साईट (https://mptentlers.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है। 2. बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी ID DATA SHEET 4 "KEY DATES" में देखी जा सकती है ।3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा समाचार पत्र में नहीं

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला.अनूपपुर (म0प्र0)

मेट्रो एंकर गत वर्ष 1612 यूनिट का अपना ही रिकार्ड तोड़ा, क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह को आभार पत्र सौंपा

शिविर में 2221 यूनिट ब्लड एकत्रित, जिला अस्पतालों को मिला संग्रहित ब्लड

सागर। दोपहर मेट्रो

विधायक भूपेन्द्र सिंह के जन्मदिन पर आयोजित चार दिवसीय रक्तदान शिविर में पिछले वर्ष का रिकार्ड तोड़ते कुल 2221 यूनिट ब्लड डोनेशन हुआ। अविराज सिंह के जन्मदिन पर एकत्रित यूनिट ब्लड को भी जोड़ें तो इस 12 वर्षीय आयोजन के माध्यम से कुल 15903 यूनिट रक्त सरकारी अस्पतालों को सौंपा जा चुका है।

सागर जिला ब्लड बैंक में जगह नहीं होने पर यहां एकत्रित हो रहा ब्लड संग्रहीत करने सागर संभाग के छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, दमोह, सागर, विदिशा जिलों के शासकीय जिला चिकित्सालयों के ब्लड बैंकों के साथ साथ भोपाल हमीदिया अस्पताल और गांधी मेडीकल कालेज के ब्लड बैंकों की टीमें सागर में रक्तदान शिविर स्थल होटल ग्रैंड दीपाली के सिग्नेचर हाल पहुंचीं। इन सभी को ब्लड कलेक्शन सौंपते हुए पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने रक्त की थैलियों को श्रद्धा से प्रमाण कर रक्तदाताओं के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने आज मंच से सागर जिला अस्पताल के ब्लडबैंक को बुंदेलखंड मेडीकल कालेज के लिए हस्तांतरित किए जाने संबंधी स्वास्थ्य विभाग का आदेश जारी होने की सूचना दी और कहा कि कुछ समय में यह ब्लड बैंक उन्नयन होकर बीएमसी में अत्याधुनिक सुविधाओं सहित 5000 की क्षमता के साथ संचालित होगा। रक्तदान शिविर के समापन दिवस का शुभारंभ महंत केशव गिरि महाराज, गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी गुरबचन सिंह और दिगंबर जैन समाज के पं राजकुमार शास्त्री की उपस्थिति में हुआ। महंत केशव गिरी ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि जो व्यक्ति किसी अनजान जरूरतमंद के जीवन को बचाने के लिए रक्तदान करता है, वह वास्तव में मानवता की सर्वोच्च सेवा करता है। गुरुसिंह सभा सागर के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी गुरूवचन सिंह ने रक्तदान शिविर को मानव सेवा का अद्वितीय अभियान बताया। समापन दिवस के शुभारंभ सत्र में शास्त्री राजकुमार जैन ने कहा कि सिंह के जीवन के कण-कण में परोपकार की भावना समाहित है। उन्होंने संस्कृत के प्रसिद्ध श्लोक परोपकाराय वहन्ति नद्यः3 का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार नदियां, वृक्ष और गौमाता दूसरों के कल्याण के लिए अपना अस्तित्व समर्पित करती हैं, उसी प्रकार भूपेन्द्र सिंह का जीवन भी समाज सेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित दिखाई देता है। पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक की है कि आज स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह आदेश जारी हो गया है जिसके द्वारा सागर जिला चिकित्सालय का ब्लडबैंक बुंदेलखंड मेडीकल कालेज को हस्तांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि गत सप्ताह जिला विकास समन्वय समिति की बैठक में उपमुख्यमंत्री, जिला प्रभारी मंत्री एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. राजेन्द्र शुक्ल के समक्ष उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव रखा था। उपमुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड मेडीकल कालेज में 5000 यूनिट की क्षमता योग्य, सेपरेशन यूनिट सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त ब्लडबैंक की स्थापना हेतु 5.75 करोड़ की राशि पहले ही स्वीकृत कर दी है और आज जिला चिकित्सालय का ब्लडबैंक बुंदेलखंड मेडीकल कालेज को हस्तांतरित कर दिया गया है जिसका उन्नयन 5000 यूनिट क्षमता वाले ब्लडबैंक के रूप में होगा।

कोच का चौंकाने वाला बयान

ऋतुराज को हटाकर सैमसन को बनाया जाएगा सीएसके का कप्तान?

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की हार ने उनका प्लेऑफ का रास्ता मुश्किल कर दिया है। इस सीजन टीम का प्रदर्शन उम्मीदें के मुताबिक नहीं रहा और ऐसे में ऋतुराज गायकवाड़ को कप्तानी से हटाने की मांग भी हो रही है। फैंस चाहते हैं कि संजू सैमसन को कप्तानी सौंपी जाए। हालांकि, कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ऋतुराज का समर्थन किया है। टीम की हार के बाद जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लेमिंग से ऋतुराज के प्रदर्शन को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कप्तान इस सीजन अपने पुराने स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में ऋतुराज गायकवाड़ 21 गेंदों में सिर्फ 15 रन बना सके और एक भी बाउंड्री नहीं लगा पाए। फ्लेमिंग ने कहा, सबसे बड़ी समस्या पावरप्ले में विकेट गंवाना रही। ऋतुराज इससे बेहतर कर सकते हैं और पहले कर भी चुके हैं। वह टॉप ऑर्डर के शानदार बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन इस सीजन उन्होंने अपने करियर के मुताबिक ना तो उतने रन बनाए और ना ही उस गति से रन बनाए हैं। यह ऐसी चीज है, जिस पर उन्हें काम करना होगा। हालांकि, फ्लेमिंग ने यह भी कहा कि टीम नए संयोजन तलाश रही है और उर्विल पटेल जैसे आक्रामक खिलाड़ियों के आने से बल्लेबाजी रणनीति में बदलाव हुआ है।

संजू सैमसन की चर्चा के बीच कप्तानी पर बड़ा संकेत

आईपीएल 2026 में संजू सैमसन की तेज बल्लेबाजी और लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या सीएसके को भविष्य में नए कप्तान की तलाश करनी चाहिए। लेकिन फ्लेमिंग ने ऋतुराज के समर्थन में खुलकर बयान दिया। उन्होंने कहा, एमएस धोनी जैसे महान कप्तान के बाद किसी नए खिलाड़ी के लिए टीम संभालना बहुत बड़ा बदलाव है। इसमें समय लगेगा। लेकिन ऋतुराज अच्छा काम कर रहे हैं। खिलाड़ियों के बीच उन्हें काफी सम्मान मिलता है और वह लगातार सीख रहे हैं। फ्लेमिंग ने आगे कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में वह इस फ्रेंचाइजी के शानदार कप्तान साबित होंगे। सीएसके इस सीजन प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है, लेकिन फ्लेमिंग का मानना है कि टीम ने भविष्य के लिहाज से कई सकारात्मक कदम भी उठाए हैं। उन्होंने कहा, इस साल टीम में काफी बदलाव हुए। हमने इस ग्रुप को समझने के लिए पर्दे के पीछे काफी मेहनत की है। हां, हमने कुछ गलतियां कीं और हम इसे स्वीकार करते हैं, लेकिन कई अच्छे फैसले भी लिए गए हैं।

मेरा शरीर कमजोर हो गया है, 2027 में खेलने को लेकर रैना के सवाल पर धोनी के जवाब से टूटा फैंस का दिल

चेन्नई , एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस के लिए आईपीएल 2026 का सीजन काफी भावुक रहा। एक तरफ टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई, वहीं दूसरी तरफ एमएस धोनी पूरे सीजन चोट के कारण मैदान पर नजर नहीं आए। हालांकि, चेपॉक में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के दौरान धोनी मैदान पर जरूर उतरे। उन्होंने टीम फोटो के लिए खिलाड़ियों के साथ समय बिताया और बाद में मैदान का चक्कर लगाकर फैंस का अभिवादन किया। इस पल ने स्टेडियम में मौजूद हजारों समर्थकों को भावुक कर दिया। इसी दौरान धोनी की मुलाकात उनके पुराने साथी और करीबी दोस्त सुरेश रैना से भी हुई, जो मैच में कमेंट्री कर रहे थे। दोनों खिलाड़ियों ने मिलकर चेन्नई सुपर किंग्स को चार आईपीएल खिताब जिताए थे और उनकी जोड़ी फ्रेंचाइजी की पहचान मानी जाती है।

रैना ने बताया धोनी से हुई खास बातचीत- स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान सुरेश रैना ने

खुलासा किया कि उन्होंने धोनी से अगले सीजन खेलने को लेकर बात की थी। रैना ने कहा, मैंने उनसे कहा- आपने आईपीएल 2026 को मिस्ड कॉल दिया है, यह गिना नहीं जाएगा। आपको अगले साल वापस आना होगा। इस पर उन्होंने कहा- मेरा शरीर थोड़ा कमजोर हो गया है। रैना ने आगे कहा, मैंने उनसे कहा कि हम यह मानने वाले नहीं हैं, आपको अगले साल खेलना ही होगा। लेकिन आखिरकार यह उनका निजी फैसला है। मुझे लगता है कि वह सकारात्मक सोच रहे हैं और टीम भी फिर से अच्छी तरह तैयार हो रही है। धोनी के इस जवाब ने करोड़ों सीएसके फैंस को भावुक कर दिया। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने लिखा कि माही के बिना आईपीएल की कल्पना करना बेहद मुश्किल है।

फ्लेमिंग बोले- धोनी का प्रभाव अब भी बहुत बड़ा है

सीएसके के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी धोनी के भविष्य पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, यह फैसला मैनेजमेंट को लेना है। इस मुद्दे पर काफी बातें हो रही हैं। एमएस इस पूरे साल टीम के साथ रहे हैं, जो युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने मैदान पर नहीं खेला, लेकिन टीम पर उनका प्रभाव अब भी बहुत बड़ा है। फ्लेमिंग ने आगे कहा, हमने इस सीजन कुछ नए खिलाड़ियों को मौका दिया है, जो भविष्य में सीएसके की नई पहचान बन सकते हैं। लेकिन आखिर में हमें नतीजों से आंका जाता है। धोनी का भविष्य क्या होगा, यह फैसला मैनेजमेंट करेगा। धोनी अगले सीजन खेलेंगे या नहीं, इसका जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। लेकिन चेपॉक में उनका मैदान पर उतरना और फैंस का प्यार देखकर यह साफ है कि सीएसके समर्थक अभी भी अपने 'थाला' को पीली जर्सी में देखना चाहते हैं। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या धोनी आईपीएल 2027 में एक आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे या यह चेपॉक में उनका आखिरी भावुक सफर था।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो लखनऊ सुपर जायंट्स

टीम बाहर हुई, फिर भी अर्जुन को मौका नहीं 'तेंदुलकर' नाम में फंसा करियर!

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट में हर खिलाड़ी मौके की उम्मीद पर जीता है। खासकर तब, जब टीम हार रही हो, प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हो और सीजन सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया हो। ऐसे समय में टीमें भविष्य की तरफ देखती हैं, नए खिलाड़ियों को आजमाती हैं और बेंच पर बैठे चेहरों को मौका देती हैं। लेकिन IPL 2026 में एक नाम ऐसा रहा, जो पूरे सीजन सिर्फ इंतजार करता रहा- अर्जुन तेंदुलकर। लखनऊ सुपर जायंट्स का अभियान लगभग खत्म हो चुका है। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, लेकिन अर्जुन अब तक मैदान पर नहीं उतरे। और यही बात इस कहानी को सिर्फ सेलेक्शन से आगे ले जाकर एक बड़े सवाल में बदल देती है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि अर्जुन को मौका क्यों नहीं मिला। सवाल यह है कि जब टीम के पास खोने को कुछ नहीं बचा था, तब भी उन्हें आजमाने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई?

यहीं से कहानी क्रिकेट से ज्यादा मानसिकता की हो जाती है। अर्जुन तेंदुलकर का करियर कभी सामान्य क्रिकेटरों जैसा नहीं रहा। उनके हर कदम के साथ एक नाम चलता है - तेंदुलकर। भारत में यह सिर्फ एक सरनेम नहीं, बल्कि क्रिकेट की सबसे बड़ी विरासतों में से एक है। और यही विरासत अर्जुन की सबसे बड़ी ताकत कम, सबसे भारी दबाव ज्यादा बन गई। क्रिकेट में असफल होना कोई अपराध नहीं है। खिलाड़ी गिरते हैं, संभलते हैं और फिर आगे बढ़ते हैं। खेल की खूबसूरती ही यही है कि यहां हर गलती सुधार का एक और मौका देती है। लेकिन कुछ खिलाड़ियों के लिए चुनौती खेल से पहले शुरू हो जाती है। उनके मैदान पर उतरने से पहले ही धारणा बना दी जाती है।

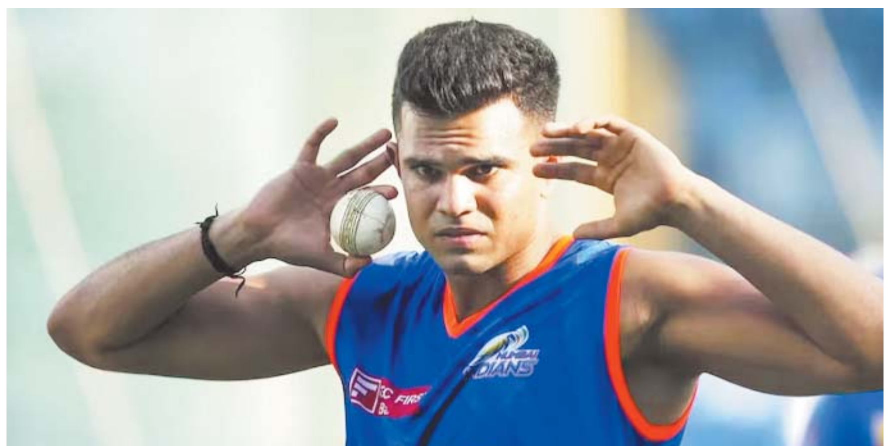

अर्जुन के साथ भी यही हुआ

उन्होंने क्रिकेट के साथ-साथ एक विरासत का बोझ भी विरासत में पाया। उनका सफर किसी सामान्य युवा खिलाड़ी की तरह शुरू नहीं हुआ। यह ऐसे माहौल में शुरू हुआ, जहां प्रतिभा को पहले सरनेम के पैमाने से गुजरना पड़ा और प्रदर्शन को विरासत के तराजू पर तौला गया। भारत जैसे देश में क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, भावनाओं का उत्सव है।।और जब उस उत्सव के केंद्र में सचिन तेंदुलकर जैसा नाम हो, तो उससे जुड़ा हर चेहरा अपने आप उम्मीदों की आग में खड़ा कर दिया जाता है। अर्जुन उसी आग में खड़े हैं जहां रोशनी कम और धुआं ज्यादा है। उनकी सबसे बड़ी चुनौती तेज गेंदबाजी सीखना नहीं रही। चुनौती यह रही कि उन्हें हमेशा किसी और की कहानी का अगला अध्याय मान लिया गया, जबकि वह अपनी कहानी लिखना चाहते थे। मुंबई इंडियंस में जब उन्हें मौका मिला, तो चर्चा उनके प्रदर्शन से ज्यादा इस बात पर हुई कि क्या यह चयन प्रतिभा का था या सरनेम का। और अब रुख में उल्टा हो रहा है - मौका नहीं मिल रहा, तो वही नाम सवालों के केंद्र में है।

यानी अर्जुन चाहे खेलें या न खेलें, बहस उनका पीछा नहीं छोड़ती। उनके आंकड़े अभी बड़े नहीं हैं। कुछ मैच, कुछ विकेट और एक साधारण इकोनॉमी रेट। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर खिलाड़ी को खुद को साबित करने के लिए बराबर धैर्य और लगातार मौके मिलते हैं? ईमानदार जवाब है - नहीं। कुछ खिलाड़ियों को लंबा समय मिलता है। उन्हें गलती सुधारने की जगह दी जाती है। जबकि कुछ को बहुत जल्दी जज कर लिया जाता है। अर्जुन दूसरी श्रेणी में आते हैं। उनके हर ओवर का विश्लेषण अंतिम फैसले की तरह होता है। एक अच्छा स्पेल संयोग बन जाता है और एक खराब स्पेल सच्चाई। यह दबाव किसी भी युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास को धीरे-धीरे खोखला कर सकता है। अर्जुन एक लेफ्ट-आर्म पेसर हैं। उनकी भूमिका अलग है, उनका खेल अलग है। लेकिन तेंदुलकर नाम सुनते ही लोगों के दिमाग में आज भी बल्ला घूमता है, गेंद नहीं। यही सबसे बड़ी समस्या है- लोग खिलाड़ी को देखना भूल जाते हैं और नाम देखने लगते हैं।

प्रीमियर लीग

खिताब के करीब पहुंचा आर्सेनल, बर्नले को 1-0 से हराया

लंदन । आर्सेनल एफसी बर्नले एफसी पर 1-0 की रोमांचक जीत के बाद 22 साल में अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब के करीब पहुंच गया। आर्सेनल के लिए मैच में एकमात्र गोल काई हैवर्ट्ज ने किया। हाफटाइम से ठीक पहले बुकायो साका के कॉर्नर पर हैवर्ट्ज ने शानदार हेडर की मदद से गोल दागा। इसके बाद दोनों टीमों ने गोल करने के काफी प्रयास लिए, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिल सकी। आर्सेनल एक मैच बाकी रहते टेबल में टॉप पर पांच पॉइंट की बढ़त बना चुका था। हालांकि, मैनचेस्टर सिटी एफसी को अभी भी दो मैच खेलने हैं, और अगर वे मंगलवार को एएफसी बॉर्नमाउथ को हरा देते हैं, तो वह खिताब की रेस में बने रहेंगे। वहीं, अगर इस मुकाबले में सिटी को हार का सामना करना पड़ता है, तो क्रिस्टल पैलेस एफसी के खिलाफ अपने आखिरी मैच से पहले आर्सेनल चैंपियन बन जाएगा। आर्सेनल ने नॉर्थ लंदन में जोश भरे माहौल के साथ मैच में एंट्री की। बर्नले के रेलिगेट होने और स्थायी मैनेजर के बिना होने के बावजूद, आर्सेनल को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। मेहमान टीम ने हैनिबल मेजब्री के साथ शुरुआत में दबाव बनाया, जबकि आर्सेनल को भारी उम्मीदों के बीच अपनी लय पाने में मुश्किल हुई।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

शिवालिका-अभिषेक के घर खुशियों की दस्तक

नन्हीं परी के आने से झूमा परिवार, लाडली का नाम साझा कर फैंस के साथ बांटी खुशियां

अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय और अभिषेक पाठक के घर खुशियों ने दस्तक दी है। दोनों इन दिनों अपनी बेटी के जन्म का जश्न मना रहे हैं। मंगलवार को कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी लाडली का नाम साझा करते हुए फैंस के साथ यह खूबसूरत पल बांटा। बेटी का नाम 'आरिका पाठक' रखा गया है, जिसका अर्थ समृद्धि, प्रेम और खुशहाली से जुड़ा माना जाता है।

शिवालिका ने इंस्टाग्राम पर पति अभिषेक और बेटी के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दोनों अपनी नन्हीं परी को गोद में लिए बेहद भावुक और खुश नजर आए। माता-पिता बनने की चमक उनके चेहरे पर साफ दिखाई दी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा कि उनकी बेटी आरिका उनके जीवन की सबसे अनमोल खुशी है और उसका नाम माता लक्ष्मी के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी बेटी का जन्म 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर पर

हुआ। उन्होंने इसे भगवान का खास आशीर्वाद बताते हुए कहा कि आरिका उनके हर सपने और दुआ से भी बढ़कर है। शिवालिका ने लिखा कि बेटी के आने से उनकी जिंदगी प्यार और खुशियों से भर गई है।

'खुदा हाफिज' से शुरू हुई थी प्रेम कहानी

खुदा हाफिज के सेट पर शुरू हुई शिवालिका और अभिषेक की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। फिल्म में विद्युत जामवाल मुख्य भूमिका में थे। शूटिंग के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए और फिर रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। जुलाई 2022 में दोनों ने सगाई की और फरवरी 2023 में गोवा में शादी रचाई। उनकी शादी में परिवार और करीबी दोस्तों के अलावा बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुई थीं। इस खास मौके पर अजय देवगन भी मौजूद रहे थे। बेटी के नाम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर फैंस और फिल्मी सितारे लगातार कपल को बधाइयां दे रहे हैं। हर कोई

सुर्खियों में बने रहने के लिए कुछ भी कर रहे एक्टर्स, काम से पहचान बनाएं, पीआर से नहीं : मीनाक्षी शेषाद्रि का तंज

मुंबई । अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने मौजूदा दौर में एक्टर्स के अपनाए जा रहे पब्लिसिटी स्टंट को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि कई एक्टर्स वास्तविक काम करने के बजाय सिर्फ अतरंगी कपड़ों को लेकर और पीआर की वजह से सुर्खियों में बने रहना पसंद करते हैं। कहा, आपने फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' देखी होगी, जिसमें कहा गया था कि यहां सिर्फ एंटरटेनमेंट चलता है। कुछ लोग बिना कोई काम किए, सिर्फ मीडिया और पब्लिसिटी के जरिए खबरें बनाते हैं। मैं उनमें से नहीं हूं। मुझे पसंद है कि मेरा काम खुद मेरी पहचान बनाए।अभिनेत्री ने अंग्रेजी कहावत सफलता जैसी कोई सफलता नहीं का हवाला देते हुए बताया, ÷ सफलता हासिल करने का सबसे सही तरीका अच्छा काम करना है, इसलिए पहला लक्ष्य काम और कला के जरिए सफलता हासिल करना होना चाहिए। उसके बाद सारी सीढ़ियां और दरवाजे अपने आप खुल जाते हैं।इंडस्ट्री में पीआर गेम के साथ ही ट्रोलिंग कल्चर पर हाल ही में अभिनेत्री अमीषा पटेल भी अपनी राय रखती नजर आईं थीं। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्होंने कहा था कि भारत में अपने ही लोग एक्टर्स को हॉलीवुड सितारों से भी ज्यादा बुरी तरह ट्रोल करते हैं, जो बेहद दुखद और शर्मनाक है। अमीषा ने एक्स पर लिखा

था कि भारतीय मानसिकता अब दूसरों को नीचे गिराने वाली हो गई है। उन्होंने बड़े इवेंट्स में अभिनेत्रियों के लुक और पहनावे को लेकर फैल रही नकारात्मकता पर भी नाराजगी जताई थी। इसके अलावा, अमीषा ने यंग एक्टर्स पर तंज कसते हुए कहा था कि जिन्होंने कभी 200 करोड़ क्लब की फिल्म तक नहीं दी है, वे पीआर टीम को पैसे देकर खुद को नंबर 1 बता रही हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्होंने 'कहो ना प्यार है', 'गदर' और 'गदर 2' जैसी बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, लेकिन उनकी पीआर मशीनरी फर्जी नहीं होने के कारण कमजोर है।

मेट्रो बाजार

मेटा में कर्मचारियों की छंटनी की योजना, 7000 कर्मियों को एआई विभाग में करेगा शिफ्ट

कैलिफोर्निया। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने इस सप्ताह होने वाली अपनी छंटनी योजना का विवरण साझा किया है। कंपनी ने सोमवार को कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में बताया कि वैश्विक कार्यबल में कटौती के साथ संगठनात्मक बदलाव भी किए जाएंगे। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य कंपनी के एआई वर्कफ्लो में सुधार लाना है। यह पुनर्गठन कंपनी के भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा बुधवार को अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस साल के आखिर तक और भी बड़े स्तर पर कटौती की संभावना जताई गई है। रॉयटर्स द्वारा देखे गए मेमो में मेटा की चीफ पीपल ऑफिसर जेनेल गैल ने कर्मचारियों को बताया कि कंपनी 7,000 कर्मचारियों को एआई वर्कफ्लो से जुड़ी नई पहलों में स्थानांतरित करेगी। साथ ही कुछ प्रबंधकीय पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा, कई लीडर संगठनात्मक बदलावों की घोषणा करेंगे। मेमो में कहा गया, जैसे-जैसे संगठनात्मक नेतृत्व इन बदलावों पर काम कर रहा था, कई टीमों ने अपनी नई संरचनाओं में एआई-नेटिव डिजाइन सिद्धांतों को शामिल किया। अब हम उस चरण में पहुंच गए हैं, जहां कई संगठन अधिक समतल संरचना के साथ काम कर सकते हैं। इसमें छोटी पॉड और कोहोर्ट टीमों का गठन होगा, जो अधिक तेजी और ज्यादा जिम्मेदारी के साथ काम कर सकेंगी।

शेयर बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 600 अंक कमजोर पड़ा, निफ्टी 23500 से फिसला

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी बिकवाली के दबाव में खुले। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें भी लगातार ऊंची बनी हुई हैं। इन कारकों ने बाजार की शुरुआत को कमजोर कर दिया।

निफ्टी 50 सूचकांक 23,457.25 पर खुला, जिसमें 160.75 अंकों या 0.68 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 74,806.49 पर खुला, जो 394.36 अंकों या 0.52 फीसदी नीचे था। बाजार विशेषज्ञों ने बताया कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, कमजोर होती मुद्रा और महंगाई की चिंताएं निवेशकों की धारणा पर भारी पड़ रही हैं।

बैंकिंग और बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा कि भारतीय बाजार उच्च तेल कीमतों, व्यापार संतुलन और चालू खाता घाटे के कमजोर आंकड़ों से प्रभावित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रुपये के तेजी से गिरने से भी बाजार पर दबाव है। बग्गा ने कहा कि बुधवार को भारतीय शेयरों के लिए कमजोर शुरुआत दिख रही है। सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान के बीच बॉन्ड प्रतिफल बढ़ रहा है। इससे वर्ष की दूसरी छमाही में कृषि उत्पादन और ग्रामीण खपत मांग प्रभावित हो सकती है। अजय बग्गा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में लगातार व्यवधान से वैश्विक बाजार दबाव में हैं। उन्होंने बताया कि वैश्विक शेयर बाजार ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के कारण शांत हैं। अमेरिका, जापान, यूरोप, ब्रिटेन और भारत में बॉन्ड प्रतिफल बढ़ती महंगाई के कारण बढ़ रहे हैं। निवेशक महंगाई के स्थिर होने की उम्मीद कर रहे हैं। एनविडिया के परिणामों पर बारीकी से नजर रखी जाएगी।

बृहस्पति कुंड की खूबसूरती में लगे चार चांद

पन्ना। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड को अब नई पहचान मिल गई है। यहां बुंदेलखंड का पहला ग्लास ब्रिज बनकर तैयार हो गया है। 100 फीट से अधिक ऊंचाई पर बने इस पारदर्शी पुल से नीचे गिरते झरने और कुंड का अद्भुत नजारा पर्यटकों को रोमांचित कर रहा है। यह ग्लास ब्रिज करीब 25 मीटर लंबा और 2 मीटर चौड़ा है। इसे जर्मन तकनीक से विशेष टेम्पर्ड ग्लास से बनाया गया है, जो करीब 500 किलो प्रति वर्ग मीटर का भार सह सकता है। एक बार में 15 से 20 पर्यटक इस पर चलकर झरने का नजारा ले सकेंगे। ब्रिज के दोनों तरफ स्टील की मजबूत रेलिंग लगाई गई है। बृहस्पति कुंड पहले से ही अपने प्राकृतिक झरने और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां देवगुरु बृहस्पति ने तपस्या की थी। अब ग्लास ब्रिज बनने से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा होने की उम्मीद है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

■ अमेरिकी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस एजेंसी की एक रिपोर्ट में जानकारी आई सामने ■ ईरान में सैन्य अभियानों की लागत बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंची

युद्ध में अमेरिका को हुआ भारी नुकसान 42 विमान और ड्रोन तबाह होने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की ओर से 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान कम से कम 42 सैन्य विमान क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए। यह जानकारी अमेरिकी कांग्रेस की रिसर्च एजेंसी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक आधिकारिक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इन विमानों में लड़ाकू जेट, ड्रोन, हेलीकॉप्टर और एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट शामिल हैं।

विमानों के नुकसान के आंकड़े में हो सकता है बदलाव: रिपोर्ट में कहा गया है कि विमानों के नुकसान और क्षति के आंकड़े अभी संशोधित हो सकते हैं, क्योंकि कई जानकारियां गोपनीय श्रेणी में हैं, कुछ सैन्य गतिविधियां अब भी जारी हैं और नुकसान के आकलन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

रिपोर्ट में यह आया सामने

सीआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान जिन विमानों को नुकसान पहुंचा या जो नष्ट हुए, उनमें चार F-15E स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट, एक F-35A लाइटनिंग II फाइटर एयरक्राफ्ट, एक A-10 थंडरबोल्ट II ग्राउंड अटैक एयरक्राफ्ट, सात KC-135 स्ट्रैटोटैंकर एयर रिफ्यूलिंग विमान, एक E-3 सेंट्री AWACS विमान, दो MC-130J कमांडो II स्पेशल ऑपरेशन एयरक्राफ्ट, एक HH-60W जॉली ग्रीन II हेलीकॉप्टर, 24 MQ -9 रीपर ड्रोन और एक MQ-4C ट्राइटन ड्रोन शामिल हैं।

कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस ने यह आंकड़े अमेरिकी रक्षा विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के बयानों व मीडिया रिपोर्टों के आधार पर तैयार किए हैं। सीआरएस अमेरिकी कांग्रेस और उसकी समितियों को नीति और कानूनी मामलों पर विश्लेषण उपलब्ध कराती है।

सैन्य अभियानों की लागत में हुआ इजाफा

इसी बीच, 12 मई को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विनियोग उपसमिति की सुनवाई के दौरान कार्यवाहक पेंटागन नियंत्रक जूल्स डब्ल्यू हर्स्ट III ने बताया कि ईरान में सैन्य अभियानों की लागत का अनुमान बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि लागत में इस बड़े इजाफे की प्रमुख वजह सैन्य उपकरणों की मरम्मत और उनके प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) का संशोधित आकलन है। हर्स्ट ने कहा कि इस वृद्धि का बड़ा हिस्सा उपकरणों की मरम्मत या उन्हें बदलने की लागत के अधिक सटीक अनुमान से आया है।

हम नेक इरादे से बातचीत कर रहे, पर नहीं जानते उनके दिमाग में क्या : वेंस

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान, अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहता है। इसके साथ ही, उन्होंने साफ किया कि परमाणु हथियार विकसित करना वाशिंगटन के लिए एक ऐसी 'रेड लाइन' है, जिसे पार नहीं किया जा सकता।

संवाददाताओं को संबोधित करते हुए जेडी वेंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि ईरानी समझौता करना चाहते हैं, वे मानते हैं कि परमाणु हथियार संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक लक्ष्मण रेखा है... लेकिन जब तक हम समझौते पर हस्ताक्षर नहीं कर देते, तब तक हमें पता नहीं चलेगा... अंततः यह ईरानियों पर निर्भर करता है कि वे हमसे मिलने को तैयार हैं या नहीं, क्योंकि मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से अच्छा काम कर रहे हैं और नेक इरादे से बातचीत कर रहे हैं। हमें देखना होगा कि अंततः उनके साथ क्या होता है। मैं विश्वास के साथ कुछ नहीं कह सकता, क्योंकि मुझे नहीं पता कि दूसरे पक्ष के मन में क्या चल रहा है।

न्यूज विंडो

अगले महीने हो सकती है पीएम मोदी-राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात

पेरिस। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले G7 शिखर सम्मेलन के दौरान होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है, तो 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक G7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, फिर भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर भारत को बुलाया गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था।

तीन दिन नहीं घूमेंगे ट्रकों के पहिए: यूनियनों का कल से चक्का जाम

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और दिल्ली सरकार की नीतियों के विरोध में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के नेतृत्व में दिल्ली-एनसीआर की 68 से अधिक परिवहन एसोसिएशनों और यूनियनों ने 21 से 23 मई तक तीन दिवसीय चक्का जाम का एलान किया है। संगठनों का आरोप है कि पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क (ईसीसी) में भारी बढ़ोतरी और बीएस-4 कमर्शियल वाहनों पर प्रस्तावित प्रतिबंध से परिवहन उद्योग पर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। एआईएमटीसी के प्रमुख डॉ. हरीश सभरवाल ने कहा कि दिल्ली आने वाले मालवाहक वाहनों पर बिना किसी भेदभाव के ईसीसी बढ़ाया गया है।

धार में मजदूरों से भरा वाहन पलटा दबने से महिला की मौत, 8 घायल

बदनावर (धार)। लेबड़-नयागांव फोरलेन पर कानवन से कुछ दूर रिटोड़ा गांव के पास मजदूरों से भरी पिकअप लोडिंग गाड़ी पलटने से 30 वर्षीय महिला मजदूर की दबने से मौके पर ही मौत हो गई तथा आठ अन्य घायल हुए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई गई है। ग्राम पंचायत शेरगढ़ के गांव कालीभाटोड़ा का ठेकेदार अर्जुन पुत्र बिहारीलाल बंजारा सुबह बड़नगर के पास मीठीखेड़ी गांव में मकान की छत भरने के लिए अपनी लोडिंग पिकअप एमपी11, जी4408 से मिक्सर मशीन लेकर मजदूरों के साथ गया था। शाम को वापस लौटते समय फोरलेन पर सामने से गलत साइड से आ रही कार की टक्कर से बचने के लिए पिकअप वाहन सड़क से उतरकर पलट गया, जिससे एक महिला दब गई तथा अन्य घायल हो गए। मृत महिला सुशीलाबाई का पति अर्जुन और उसका आठ वर्षीय पुत्र लकी व 10 वर्षीय पुत्री बुलबुल भी घायल हुए।

भाजपा सरकार में किसान लाइन में व्यवस्था वेंटिलेटर पर : आशीष तिवारी

भाजपा सरकार पर कांग्रेस का हमला, खरीदी व्यवस्था पर उठे सवाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने मोहन सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सरकार के रिकॉर्ड खरीदी और किसान हितैषी दावों के बावजूद जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। खरीदी केंद्र किसानों के लिए राहत के बजाय अव्यवस्था और परेशानी का केंद्र बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में स्लॉट प्रणाली में अनियमितता, सर्वर की बार-बार तकनीकी खराबी, धीमी तौल प्रक्रिया और बारदाने की कमी ने पूरी खरीदी व्यवस्था को प्रभावित कर दिया है। इसके कारण किसानों को घंटों नहीं, बल्कि कई-कई दिनों तक लंबी कतारों में खड़े होकर इंतजार करना पड़ रहा है।

तो होगा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन

तिवारी ने कहा किसान हितैषी होने का झूठा दावा करने वाली मोहन सरकार में किसान लाइन में खड़ा है और व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। उन्होंने कहा कि सरकार को तत्काल प्रभाव से खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हुए अंतिम तिथि में वृद्धि करना चाहिए अन्यथा कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक जनहित में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

हाईवे पर अज्ञात वाहन में घुसी कार, चालक समेत चार युवकों की मौत; दो अन्य घायल

अमरोहा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में बड़ा हादसा हुआ है। गजरौला में हाईवे पर दिल्ली की तरफ जाते समय अज्ञात वाहन में पीछे से वैगनआर कार घुस गई। हादसे में चालक मोहम्मद सलमान (27) समेत चार युवकों की मौत हुई है। जबकि दो युवक घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सलमान रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी का रहने वाला था। तीन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। रामपुर के पंखेवालान गेट बमनपुरी निवासी तनवीर ने पुलिस को बताया कि उनके भाई मोहम्मद सलमान टैक्सी में वैगनआर कार चलाते थे।

दूसरे प्रदेश के पांच युवक रामपुर में दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन रामपुर में उनकी ट्रेन छूट गई। इस कारण बुधवार सुबह वैगनआर में सवार हो गए। उनको सलमान दिल्ली छोड़ने जा रहे थे। करीब 4 बजे उनकी वैगनआर कार ख्यालीपुर ढाल से लगभग 200 मीटर आगे पहुंची थी।

पंजाब निकाय चुनाव: बैलेट पेपर से वोटिंग के फैसले पर हाईकोर्ट सख्त

राज्य चुनाव आयोग से पूछा-औचित्य क्या

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय बैलेट पेपर से कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग से कड़ा सवाल पूछा। अदालत ने कहा कि जब वर्षों से चुनाव ईवीएम के जरिए कराए जा रहे थे तो अचानक बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटने का औचित्य क्या है।

अव्यावहारिक और अस्वीकार्य है मांग

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि पंजाब राज्य चुनाव आयोग अधिनियम की धारा 64 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61-ए लगभग समान हैं। सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि चुनाव प्रक्रिया को फिर से बैलेट पेपर प्रणाली में ले जाने की मांग

अव्यावहारिक और अस्वीकार्य है। याची ने दलील दी कि ईवीएम प्रणाली को वर्ष 2002 में कानूनी वैधता मिल चुकी है और इसके बाद अदालतें लगातार इसे बरकरार रखती रही हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बताया कि वर्ष 1984 में पहली बार ईवीएम के इस्तेमाल का प्रयास हुआ था लेकिन उस समय वैधानिक प्रावधान नहीं होने के कारण इसे निरस्त कर दिया गया था। बाद में संसद ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में धारा 61-ए जोड़ी जबकि राज्यों ने भी अपने कानूनों में इसी तरह के प्रावधान शामिल किए। याची ने कहा कि कानून में जहां बैलेट बॉक्स और बैलेट पेपर का उल्लेख है वहां ईवीएम को भी शामिल माना जाएगा।

अवैध वोटिंग होती है कम

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी हवाला दिया गया जिसमें कहा गया था कि ईवीएम से अवैध वोटिंग की संभावना कम होती है और मतगणना तेज व पारदर्शी बनती है। साथ ही बूथ कैप्चरिंग और धांधली की आशंकाएं भी घटती हैं।

चीनी जासूस होने के लग रहे आरोप

मोदी से सवाल पूछ बुरी फंसी नार्वे की पत्रकार, फेसबुक-इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड

ओस्लो, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूरोप दौरे के दौरान सवाल पूछकर नॉर्वे की महिला पत्रकार हेली लेंग चर्चा में आ गई हैं। ओस्लो में पीएम मोदी से तीखे सवाल पूछने और भारतीय अधिकारी सिबी जॉर्ज से बहस के बाद, अब उन्होंने दावा किया है कि भारी ऑनलाइन ट्रोलिंग के बीच उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी के नॉर्वे दौरे पर हेली लेंग ने 'प्रेस फ्रीडम' और मानवाधिकार के मुद्दे पर भारत को घेरते हुए सवाल पूछने की कोशिश की थी। हालांकि भारतीय अधिकारी ने उन्हें करारा जवाब दिया था। इसके बाद अब हेली ने आरोप लगाए हैं कि इस घटना के बाद उनकी बुरी तरह ट्रोलिंग हो रही है। वहीं 'डागसाविसेन' अखबार से जुड़ीं हेली लेंग ने दावा किया है कि मेटा ने उनके इंस्टाग्राम और फेसबुक दोनों अकाउंट्स को सस्पेंड कर दिया है।

हेली लेंग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के सस्पेंड होने की जानकारी खुद दी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'प्रेस की आजादी के लिए यह एक बहुत छोटी सी कीमत है। लेकिन मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं किया था। मैं अधिक से अधिक भारतीयों को जवाब देना चाहती थी, लेकिन अब मेरे फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट बंद हो गए हैं।

कई यूजर्स ने फॉरेन प्लांट जासूस कहा

इधर अकाउंट सस्पेंड होने से पहले हेली लेंग को इंटरनेट यूजर्स के भारी गुस्से का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर लोगों ने उनके पुराने आर्टिकल्स और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर लिखी गई कुछ पुरानी रिपोर्ट्स को ढूंढ निकाला। कई यूजर्स सोशल मीडिया पर उन्हें फॉरेन प्लांट, 'जासूस' और यहां तक कि चाइनीज प्रॉक्सी तक कह रहे हैं।

यह है पूरा मामला

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ओस्लो में भारत और नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों की एक संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग चल रही थी। जैसे ही प्रेस मीट खत्म हुई और पीएम मोदी कमरे से बाहर निकलने लगे, हेली लेंग ने पीछे से चिल्लाते हुए कहा, 'आप दुनिया के सबसे आजाद प्रेस के कुछ सवालों के जवाब क्यों नहीं देते?' बाद में उन्होंने भारत को प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में 157वें स्थान पर बताते हुए इस सवाल को बिल्कुल सही ठहराया।

मेट्रो एंकर

पीएम मोदी और मेलोनी के बीच दिखी कमाल की दोस्ती

रोम में 'मेलोडी' मूमेंट: कार में सफर और साथ में डिनर...

रोम, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी पड़ाव इटली पहुंच गए हैं। इस दौरान रोम में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया। दो बड़े नेताओं की ये मुलाकात खास रही।

इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने खुद पीएम मोदी को रोम की सबसे मशहूर ऐतिहासिक जगह कोलोसियम घुमाया। दोनों नेताओं ने साथ में डिनर किया और कार में सफर भी। इस मुलाकात की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'रोम में उतरने के बाद, मुझे प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ रात्रिभोज पर मिलने का अवसर मिला, जिसके बाद मैंने मशहूर कोलोसियम का दौरा किया। हमने कई विषयों पर अपने विचार साझा किए। आज होने वाली हमारी बातचीत का मुझे बेसब्री से इंतजार है, जिसमें हम भारत-इटली की दोस्ती को और मजबूत बनाने के विषय पर अपनी चर्चा जारी रखेंगे।'

पहले भी वायरल हुईं थी तस्वीरें

यह पहला मौका नहीं है जब पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी की तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरी हों। इससे पहले साल 2023 में दुबई में हुए COP28 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी की सेल्फी काफी वायरल हुई थी। वहीं, साल 2024 में इटली के अपुलिया में आयोजित G7 शिखर सम्मेलन के दौरान 'मेलोडी टीम की तरफ से हैलो' वीडियो ने भी दुनियाभर में चर्चा बटोरी थी।

दोनों नेताओं की यह आठवीं मुलाकात

विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, साल 2023 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जॉर्जिया मेलोनी के बीच यह आठवीं मुलाकात है। मार्च 2023 में मेलोनी की भारत यात्रा और जी-20 शिखर सम्मेलन में उनकी भागीदारी ने दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती दी थी। अब इस दौरे के जरिए दोनों नेता 'संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-29' के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही रक्षा सहयोग, आतंकवाद की फंडिंग रोकने और नए क्षेत्रों में साझेदारी के रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564